website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 350 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 26 नवंबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

सीएम रेखा गुप्ता ने 70 आयुष्मान आरोग्य मंदिर सेंटर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को शक्ति नगर से अलग-अलग जिलों में 70 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मॉडल टाउन के विधायक अशोक गोयल भी उपस्थित रहे। इस दौरान, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में नियमित स्वास्थ्य जांच, डॉक्टर परामर्श, आवश्यक दवाइयां, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, प्रिवेंटिव हेल्थकेयर, सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग और टीकाकरण जैसी सुविधाएं मुफ्त उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना, जन औषधि केंद्र, वय वंदना योजना और आयुष्मान आरोग्य मंदिर मिलकर दिल्ली में एक ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण कर रहे हैं, जहां बेहतर इलाज हर किसी का अधिकार है, दवाइयां किफायती हैं और आधुनिक सुविधाएं हर नागरिक की पहुंच में हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इन 10 महीनों में, हमने दिल्ली की सूरत बदलने की कोशिश की है। मैं कई बार इस इलाके में आई और सिर्फ टूटी हुई सड़कें देखीं। इतने सालों में इतने लंबे समय तक सरकार में रहने के बावजूद पिछली सरकारों में बहुत कम काम हुआ। सालों तक शहर को इसी हालत में छोड़ दिया गया। उन्होंने जनता से पूछा, "पिछले 10-11 सालों में, क्या आपके पिछले विधायक कभी आपके बीच ऐसे आए थे? क्या उन्होंने कभी ऐसे कदम उठाए?" 'मोहल्ला क्लीनिक' को लेकर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, "सालों तक पिछली सरकारों ने 'मोहल्ला क्लीनिक' के आइडिया को बढ़ावा दिया, लेकिन असल में कितने लोग इन क्लीनिक में गए और उन्हें देखा? उन्होंने बस बड़े हॉल या सड़कों के किनारे प्रोपेगैंडा पोस्टर लगाए, जिन पर उनकी बड़ी तस्वीरें लगी थीं। उन बड़ी तस्वीरों के पीछे बहुत कम काम था। दवा, डॉक्टर और कोई स्टाफ नहीं था। आज, एक आरोग्य मंदिर के अंदर कदम रखें और खुद देखें। हर एक आरोग्य मंदिर आपके प्राइमरी हॉस्पिटल की तरह काम करता है।"

अयोध्या: राममंदिर में प्रधानमंत्री मोदी ने फहराई धर्मध्वजा

नई दिल्ली। अभिजीत मुहूर्त के शुभ समय में श्रीराम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज की स्थापना की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिखर पर भगवा ध्वज फहराया। इस दौरान उनके साथ संघ प्रमुख मोहन भागवत और ट्रस्ट के गोविंदगिरी भी मौजूद रहे।

राम मंदिर के शिखर पर फहराया जाने वाला ध्वज 10 फीट ऊंचा और 20 फीट लंबा

ट्रस्ट की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार राम मंदिर के शिखर पर फहराया जाने वाला ध्वज 10 फीट ऊंचा और 20 फीट लंबा, समकोण त्रिभुजाकार है। इसके साथ कोविदारा वृक्ष की छवि के साथ इस पर 'ओम' अंकित है। मंदिर के चारों ओर बना 800 मीटर का परकोटा, जो दक्षिण भारतीय आर्किटेक्चरल परंपरा में डिजाइन किया गया है, जो मंदिर की आर्किटेक्चरल विविधता को दिखाता है।

इसके पहले पीएम मोदी ने रामलला के दरबार में शीश नवाया

इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सरसंघचालक मोहन भागवत के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रामलला के दरबार में शीश नवाया। दर्शन के बाद पूजा अर्चना की। सीएम योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं।

ध्वजारोहण समारोह का साक्षी बनने के लिए हर उम्र के लोग और भक्त अयोध्या शहर पहुंचे

ध्वजारोहण समारोह का साक्षी बनने के लिए हर उम्र के लोग और भक्त अयोध्या शहर पहुंचे हैं। उन्हें भले ही राम मंदिर में प्रवेश नहीं मिलेगा, लेकिन वह रामनगरी पहुंचे हैं। यह आयोजन अयोध्या में चल रहे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का एक और महत्वपूर्ण चरण है। नेताओं ने कहा है कि यह ध्वज केवल धार्मिक आस्था का नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन सभ्यता और समृद्ध सांस्कृतिक मूल्यों का भी प्रतीक है।

राम मंदिर करोड़ों की आस्था का प्रतीक

ऐतिहासिक ध्वजारोहण के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पीढ़ियों की प्रतीक्षा आज साकार हुई। उन्होंने कहा कि देश आज नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह राम मंदिर करोड़ों की आस्था का प्रतीक है। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अयोध्या में हैं। सुबह एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने लंबा शो निकाला, जहां रास्ते में श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया। रोड शो के बाद प्रधानमंत्री सप्त मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की।

इथियोपिया में 10 हजार साल बाद फटा ज्वालामुखी

-एयर इंडिया की 11 फ्लाइट्स रद्द

नई दिल्ली। इथियोपिया में हजारों सालों से शांत पड़ा हायली गुब्बी ज्वालामुखी अचानक फट गया है। इस विस्फोट के बाद उठा राख का विशाल गुबार अब भारत तक पहुंच रहा है, जिसके चलते एयर इंडिया ने एहतियातन 11 उड़ानें रद्द कर दी हैं। वैज्ञानिक और मौसम विशेषज्ञ इसे एक गंभीर पर्यावरणीय घटना मान रहे हैं, जिसका सीधा असर भारत के उत्तरी क्षेत्रों के मौसम और वायु गुणवत्ता पर दिखाई दे सकता है।

राख का बादल ओमान-अरब सागर पार कर भारत की ओर बढ़ा

भारतीय मौसम एजेंसी इंडियामेटस्काई ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि इथियोपिया के ज्वालामुखी से निकला राख प्लम (Ash Plume) अब ओमान-अरब सागर के रास्ते भारत की ओर बढ़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार यह राख दिल्ली सहित उत्तर भारत तक पहुंच चुकी है। यह बादल 25,000 से 45,000 फीट की ऊंचाई पर फैल रहा है और इसमें सल्फर डाइऑक्साइड (SO2) गैस की मात्रा सबसे ज्यादा है।

10,000 साल बाद हुआ विस्फोट, 15 KM ऊंचाई तक उठा गुबार

रिपोर्ट्स के मुताबिक हायली गुब्बी ज्वालामुखी लगभग 10 हजार साल बाद सक्रिय हुआ है। विस्फोट इतने बड़े पैमाने पर हुआ कि राख का घना गुबार 10-15 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंच गया। इस तरह का ऐतिहासिक भू-वैज्ञानिक विस्फोट अंतरराष्ट्रीय मौसम तंत्र को प्रभावित कर सकता है।

उत्तर भारत में वायु प्रदूषण बढ़ने की आशंका

वैज्ञानिकों का कहना है कि राख और सल्फर डाइऑक्साइड हवा में मिलकर एरोसोल और धुंध पैदा कर सकते हैं जिससे हवा की गुणवत्ता (AQI) गंभीर स्तर तक गिर सकती है संवेदनशील लोगों—अस्थमा, एलर्जी, दमा के मरीजों—के लिए यह विशेष रूप से खतरनाक हो सकता है दिल्ली-एनसीआर में पहले से मौजूद प्रदूषण के बीच यह राख एयर क्वालिटी को और खराब करने की आशंका बढ़ा रही है।

फ्लाइट ऑपरेशन पर सीधा असर, एयर इंडिया ने 11 उड़ानें रद्द कीं

ज्वालामुखी की राख विमान इंजनों के लिए बेहद खतरनाक मानी जाती है। इसी खतरे को देखते हुए एयर इंडिया ने 11 फ्लाइट्स रद्द कर दिया है। अन्य एयरलाइंस भी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और रूट बदलने की तैयारी कर रही हैं।

ज्वालामुखी विस्फोट का असर:

एयर इंडिया ने कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानें रद्द की

नई दिल्ली। हेली गुब्बी ज्वालामुखी विस्फोट के बाद सावधानी के तौर पर एयर इंडिया ने अपनी कई महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू उड़ानें रद्द कर दीं हैं। कंपनी के अनुसार, जिन विमानों ने विस्फोट के बाद प्रभावित भौगोलिक क्षेत्र के ऊपर से उड़ान भरी थी, उनकी सुरक्षा जांच की जा रही है। इसी वजह से उड़ान संचालन अस्थायी तौर पर प्रभावित हुआ है। एयर इंडिया ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसलिए यह निर्णय मजबूरी में लिया गया है। कंपनी ने उड़ान रद्द होने के कारण यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद भी जताया है। एयर इंडिया ने कहा, "हमारे नेटवर्क में काम कर रही ग्राउंड टीम लगातार यात्रियों को यात्रा स्थिति की जानकारी दे रही है और तुरंत सहायता प्रदान कर रही है। जरूरत पड़ने पर होटल ठहराव की व्यवस्था भी की जा रही है। हम जल्द से जल्द वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था करने की कोशिश कर रहे हैं। यह एक अप्रत्याशित और हमारे नियंत्रण से बाहर की स्थिति है। यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।" 25 नवंबर को रद्द की गई फ्लाइट में एआई 2822 - चेन्नई से मुंबई, एआई 2466 - हैदराबाद से दिल्ली, एआई 2444 / 2445 - मुंबई-हैदराबाद-मुंबई, और एआई 2471 / 2472 - मुंबई-कोलकाता-मुंबई शामिल हैं। इससे पहले 24 नवंबर को रद्द की गई फ्लाइटों में एआई 106 - न्यूर्क से दिल्ली, एआई 102 - न्यूयॉर्क से दिल्ली, एआई 2204 - दुबई से हैदराबाद, एआई 2290 - दोहा से मुंबई, एआई 2212 - दुबई से चेन्नई, एआई 2250 - दम्माम से मुंबई और एआई 2284 - दोहा से दिल्ली शामिल थीं। कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अचानक फ्लाइट रद्द करने को लेकर चिंता और निराशा व्यक्त की, हालांकि ज्यादातर ने सुरक्षा को प्राथमिकता देने के फैसले का समर्थन किया। एयर इंडिया ने कहा है कि स्थिति सामान्य होते ही उड़ानें पुनः शुरू की जाएंगी और सभी प्रभावित यात्रियों को जल्द से जल्द नई बुकिंग की जानकारी दी जाएगी।

राम मंदिर ध्वजारोहण में सांसद अवधेश प्रसाद को नहीं बुलाने पर इमरान मसूद भड़के

-बोले— "दलित होने की वजह से मिला अपमान"

लखनऊ। अयोध्या में राम मंदिर का ध्वजारोहण समारोह सम्पन्न हो गया, जिसके बाद मंदिर निर्माण अब पूरी तरह से समाप्त घोषित कर दिया गया है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं, लेकिन समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद को निमंत्रण नहीं दिया गया। इसी मुद्दे पर सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र सरकार और आयोजन समिति पर सवाल उठाए हैं।

इमरान मसूद बोले - "दलित होने की वजह से नहीं बुलाया गया"

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने समारोह में अवधेश प्रसाद को न बुलाने पर नाराज़गी जताते हुए कहा कि - "अवधेश प्रसाद दलित हैं, इसलिए उन्हें आमंत्रण नहीं दिया गया। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है।" उन्होंने आगे कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कार्यक्रम में पहुंच रहे हैं, तो स्थानीय सांसद को न्योता न देना एक गंभीर असम्मान है। उनके अनुसार यह घटना दर्शाती है कि सरकार संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक प्रतिनिधित्व के साथ कैसा व्यवहार कर रही है।

"अगर पीएम आ रहे हैं तो सबसे पहले स्थानीय सांसद को बुलाना चाहिए" — मसूद

इमरान मसूद ने कहा कि — "जब प्रधानमंत्री आ रहे हैं, तो सबसे पहला निमंत्रण तो वहीं के सांसद को मिलना चाहिए। लेकिन सिर्फ दलित होने की वजह से उन्हें नहीं बुलाया गया।" उन्होंने यह भी कहा कि यह परंपरा और लोकतांत्रिक शिष्टाचार दोनों के खिलाफ है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अयोध्या न जाने के सवाल पर मसूद ने कहा कि "ये उनकी व्यक्तिगत आस्था का मामला है। हर किसी को अपनी आस्था मानने का अधिकार है।" साथ ही उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि "क्या उन्हें लालकृष्ण आडवाणी दिखाई नहीं देते? वे भी तो राम मंदिर दर्शन के लिए नहीं गए।"

एंटी-ड्रोन सिस्टम, स्नाइपर ड्यूटी, 90 तकनीकी विशेषज्ञों की तैनाती, अयोध्या में सुरक्षा कवच होगा अभेद्य

नई दिल्ली। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में 'धर्म ध्वज' स्थापना समारोह के अवसर पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई बड़े नेताओं और प्रमुख धर्मगुरुओं की उपस्थिति रहेगी। इसके मद्देनजर अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अभूतपूर्व स्तर पर सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में कानून-व्यवस्था की दृष्टि से भारी पुलिस बल और विभिन्न विशेष इकाइयों की ड्यूटी सुनिश्चित की गई है, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से लेकर फील्ड टीमों तक का समन्वित प्रबंधन शामिल है। वहीं, सुरक्षा योजना के अंतर्गत उच्च पदस्थ अधिकारियों को रणनीतिक नेतृत्व के लिए तैनात किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों, क्षेत्रीय अधिकारियों और निरीक्षकों की संख्या उल्लेखनीय है। सुरक्षा ड्यूटी के लिए पुलिस बल में बड़ी संख्या में पुरुष और महिला आरक्षियों को नियुक्त किया गया है, जो भीड़ नियंत्रण, सर्चिंग, विस्फोटक की जांच सहित आपात प्रतिक्रिया जैसी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। विशेष सुरक्षा इकाइयों के रूप में बम डिटेक्शन टीम, डॉग स्क्वॉड, वीवीआईपी सुरक्षा निरीक्षण दल, ट्रैफिक प्रबंधन यूनिट, फायर यूनिट तथा रिस्पॉन्स टीम की जिम्मेदारी संवेदनशील बिंदुओं पर सुनिश्चित की गई है। तकनीकी उपकरण जैसे माइंस टीम, बीडीएस यूनिट, एक्स-रे स्कैनिंग मशीन, सीसीटीवी मॉड्यूल, हाई रिस्पॉन्स वैन, पेट्रोलिंग यूनिट और एंबुलेंस यूनिट्स को भी नियुक्त किया गया है। विशेष जांच के लिए हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्शन डिवाइस, वाहन माउंटेड स्कैनर तथा बैगेज एक्सरे स्कैनर का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है। सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए तैनात पुलिस बल में अलग-अलग परीक्षेत्रों से कुल 14 एसपी, कुल 30 एएसपी, 90 डीवाईएसपी, 242 इंस्पेक्टर (पुरुष), उप निरीक्षक कुल 1060, महिला उप निरीक्षक कुल 80, पुरुष हेड कांस्टेबल कुल 3090 और महिला हेड कांस्टेबल कुल 448 शामिल हैं। इसके अलावा, यातायात व्यवस्था के लिए कुल 16 ट्रैफिक इंस्पेक्टर, 130 ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर और 820 ट्रैफिक पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है। विशेष सुरक्षा इकाइयों में एटीएस कमांडो और एनएसजी स्नाइपर की दो-दो टीमें व एंटी ड्रोन यूनिट की एक टीम शामिल है। धर्म ध्वज समारोह में सुरक्षा प्रबंधन के लिहाज से कुल 6970 कर्मी लगेंगे। ड्रोन निगरानी और इलेक्ट्रॉनिक विजिलेंस के लिहाज से दो एटीएस टीमें, लगभग 90 तकनीकी सदस्य, एक एंटी-ड्रोन सिस्टम और चार साइबर कमांडो तैनात किए गए हैं। इसके अलावा, पार्किंग प्रबंधन के लिए 38 कर्मियों की तैनाती होगी। भीड़ नियंत्रण के लिए बैरियर मॉड्यूल का इस्तेमाल किया जाएगा। वीआईपी रूट और मंदिर परिसर सुरक्षा के लिए विशेष प्रोटोकॉल की व्यवस्था की गई है। रूट डायवर्जन पर पुलिस तैनाती है।

स्वदेशी मेला भारत की व्यापार और नवाचार शक्ति का वैश्विक मंच बने- गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पियूष गोयल ने मंगलवार को Confederation of All India Traders (CAIT) को सुझाव दिया कि वह India Trade Promotion Organisation (ITPO) के सहयोग से राष्ट्रीय राजधानी में सबसे बड़ा स्वदेशी मेला आयोजित करे। मंत्री ने कहा कि यह प्रस्तावित मेगा आयोजन भारत के व्यापार और उद्योग की शक्ति, नवाचार और विविधता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने वाला एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम होना चाहिए, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी उद्यम को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के विजन के अनुरूप हो। CAIT की राष्ट्रीय ट्रेड लीडर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, जिसमें 28 राज्यों के 200 से अधिक प्रमुख व्यापारी शामिल थे, गोयल ने कहा कि भारत के व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ और उसके सबसे मजबूत विकास स्तंभ हैं। मंत्री ने CAIT की निरंतर पहलों की सराहना की और व्यापारियों के लिए मजबूत स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम, महिला उद्यमियों के सशक्तिकरण, साइबर धोखाधड़ी रोकने के बेहतर तंत्र और आधुनिक, तकनीक आधारित, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी व्यापार प्रणाली को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने CAIT को Swadeshi Jagran Manch, Laghu Udyog Bharti और अन्य प्रमुख व्यापार संगठनों तथा चैंबर्स के साथ मिलकर देशभर में स्वदेशी मेले आयोजित करने और "vocal for local" को राष्ट्रीय आंदोलन का रूप देने के लिए भी प्रोत्साहित किया। गोयल ने आगे CAIT को अपने संसदीय क्षेत्र उत्तर मुंबई में स्थित Skill Development Centre का संचालन संभालने का अवसर भी प्रस्तावित किया, ताकि क्षेत्र में चल रही कौशल पहल को और मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम में चांदनी चौक के सांसद और CAIT के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने भारत के व्यापारियों के निरंतर योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की "Ease of Doing Business" विजन बेहतर प्रणालियों, आधुनिक तकनीक और नए विकास अवसरों के माध्यम से व्यापारियों को सशक्त बनाता है।

ममता बनर्जी का बड़ा हमला:

"चुनाव आयोग अब BJP आयोग बन गया"; एंटी-SIR रैली में बोलीं—चुनौती दी तो पूरे देश में BJP की नींव हिला दूंगी

बोनगांव। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। बोनगांव में आयोजित एंटी-SIR रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग अब निष्पक्ष संस्था नहीं रह गया है, बल्कि "BJP आयोग" बन चुका है। ममता ने चेतावनी दी कि अगर BJP बंगाल में उन्हें चुनौती देगी, तो वे पूरे देश में बीजेपी की नींव हिला देंगी।

CAA पर मतुआ समुदाय को चेतावनी — "SIR के बाद विदेशी घोषित कर हटाए जाएंगे नाम"

ममता ने दावा किया कि मतुआ-बहुल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को CAA के तहत विदेशी घोषित किए जाने का खतरा है। यदि ऐसा हुआ तो "उन्हें तुरंत वोटर लिस्ट से हटा दिया जाएगा।" उन्होंने कहा कि यह पूरा सिस्टम वोटरों को डराने और हटाने की कोशिश का हिस्सा है।

ममता बनर्जी के भाषण की 5 बड़ी बातें

1. BJP शासित राज्यों में SIR क्यों? ममता ने सवाल उठाया— "अगर SIR का मकसद अवैध बांग्लादेशियों की पहचान करना है, तो मध्य प्रदेश और यूपी जैसे BJP-शासित राज्यों में SIR क्यों चल रहा है? क्या BJP मानती है कि उसके डबल इंजन वाले राज्यों में भी घुसपैठिए हैं?"

2. 'ड्राफ्ट लिस्ट आएगी तो विनाश का पता चलेगा' उन्होंने कहा कि SIR के बाद जब ड्राफ्ट वोटर लिस्ट आएगी, तब लोग समझेंगे कि "चुनाव आयोग और BJP ने कितना बड़ा विनाश किया है।" उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एक दिन मुझे भी बांग्लादेशी कह दिया जाएगा।

3. 'आपका नाम हटे तो केंद्र सरकार भी हटनी चाहिए' ममता ने कहा— "2024 में प्रधानमंत्री मोदी को इसी वोटर लिस्ट पर वोट मिला था। अगर आपका नाम हटाया जाएगा तो सरकार को भी हट जाना चाहिए।" उन्होंने कहा कि जब तक वे हैं, किसी को वोटर लिस्ट से बाहर नहीं होने देंगी।

4. बिहार चुनाव परिणाम SIR का असर

ममता ने दावा किया कि बिहार चुनाव में SIR का असर दिखा था, लेकिन विपक्ष समझ नहीं पाया। उन्होंने कहा कि "अगर SIR 2-3 साल तक चले तो हम भी समर्थन करेंगे, लेकिन इतनी जल्दबाजी क्यों?"

5. 'BJP मुझे नुकसान पहुंचाएगी तो उसकी नींव हिला दूंगी' ममता ने कहा कि BJP उन्हें राजनीतिक रूप से न चुनौती दे सकती है, न हरा सकती है। "अगर बंगाल में मुझे चोट पहुंचाने की कोशिश की गई तो मैं पूरे भारत में BJP की नींव हिला दूंगी।"

12 राज्यों में SIR, 7 फरवरी तक होगा काम

देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष वोटर लिस्ट संशोधन (SIR) जारी है, जो 7 फरवरी तक चलेगा। इस 103-दिवसीय प्रक्रिया में, नए वोटर जोड़े जाएंगे, गलतियां सुधारी जाएंगी, पुराने और गलत नाम हटाए जाएंगे। इसमें शामिल राज्य हैं—अंडमान-निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल। असम में विशेष रिविजन जारी है। ममता बनर्जी के तीखे बयानों के बाद SIR और चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर राजनीतिक तापमान और बढ़ गया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

डिजिटल प्रदूषण पर कड़ी लगाम की जरूरत: समाज को भीतर से बचाने का समय

डिजिटल प्रदूषण आज हमारे सामाजिक ताने-बाने को भीतर से खोखला कर रहा है। ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल माध्यमों पर जिस तरह हिंसक, अश्लील, भड़काऊ और मानहानिकारक सामग्री परोसी जा रही है, वह पूरे समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। इस डिजिटल अव्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए देश के सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में जो सख्त निर्देश दिए हैं, उसके बाद केंद्र सरकार की सक्रियता और भी बढ़ी है। सरकार अब ऐसे कंटेंट के प्रसारण पर प्रभावी पाबंदी लगाने की तैयारी में है, जो निश्चित रूप से स्वागत योग्य कदम है। डिजिटल माध्यमों ने दुनिया को बदल दिया है। विचारों के आदान-प्रदान, सूचनाओं के प्रसार और लोगों के बीच संवाद के रास्ते पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज, आसान और व्यापक हुए हैं। सोशल मीडिया आज अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा मंच बन चुका है, जहां हर व्यक्ति अपनी बात दुनिया तक पहुंचा सकता है। लेकिन इस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जो गैर-जिम्मेदाराना और खतरनाक सामग्री सामने आ रही है, वही डिजिटल प्रदूषण की जड़ है। सिनेमा और टीवी चैनलों पर भी लंबे समय से हिंसा और अनैतिकता फैलाने के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन वहां सेंसरशिप और निगरानी की एक ठोस व्यवस्था है। इसके विपरीत ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर नियंत्रण लगभग नगण्य है। कोई भी व्यक्ति, संस्था या समूह बिना किसी रोक-टोक के ऐसा कंटेंट पोस्ट कर देता है, जो समाज में नफरत, अशांति या असंवेदनशीलता फैलाने वाला होता है। इसका सबसे बड़ा असर उन लोगों पर पड़ता है जिनका मानसिक विकास अभी जारी है—यानी बच्चे और किशोर। जब वे लगातार अश्लील, हिंसक या सरहदें तोड़ने वाली सामग्री देखते हैं, तो उनकी सोच धीरे-धीरे वैसी ही बनने लगती है। संवेदनशीलता घटने लगती है और आक्रामकता बढ़ती जाती है। यह स्थिति किसी एक परिवार या समुदाय तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करती है। भड़काऊ और झूठी सूचनाएं जहां लोगों के बीच अविश्वास और तनाव को बढ़ाती हैं, वहीं फर्जी खबरें सामाजिक ध्रुवीकरण को और गहरा कर देती हैं। कई बार सोशल मीडिया पर फैलाया गया एक झूठा वीडियो, एडिटेड क्लिप या अफवाह ऐसी आग लगा देता है, जिसे शांत करने में प्रशासन और समाज दोनों को भारी मशक्कत करनी पड़ती है। डिजिटल प्रदूषण का एक और खतरनाक पहलू यह है कि यह समाज को धीरे-धीरे असंतुलन की ओर धकेल रहा है। लगातार आपत्तिजनक और उत्तेजक कंटेंट देखने से लोगों का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होने लगता है। तनाव, अवसाद, बेचैनी और क्रोध की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। परिवारों के भीतर संवाद कम होता है और डिजिटल दुनिया की कृत्रिम उत्तेजनाएं वास्तविक रिश्तों की गर्मजोशी पर हावी हो जाती हैं। इस परिस्थिति में जरूरी है कि डिजिटल कंटेंट पर एक संतुलित लेकिन प्रभावी नियंत्रण व्यवस्था लागू की जाए।

नन्हे मन का मौन: मासूम बच्चों के भीतर पनपते दर्द और आत्महत्या के बढ़ते ख़तरे को समझने में हमारी नाकामी

-आर्थिक तरक़्क़ी के शोर में बच्चों की भावनाएँ दब रहीं; घर–स्कूल–समाज सबके स्तर पर संवेदनशील संवाद और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना वक़्त की मांग

आज का यह दौर जितना तरक़्क़ीयाफ़्ता लगता है, उतना ही भीतर से टूटता हुआ भी दिखाई देता है। हम इमारतें ऊँची बना रहे हैं, तकनीक को दिन-ब-दिन तेज़ कर रहे हैं, दुनिया को आसान बनाते जा रहे हैं; लेकिन हमारे घरों, स्कूलों और समाज के भीतर एक गहरी ख़ामोशी पनप रही है—वह ख़ामोशी जो मासूम बच्चों के दिल में दबे दर्द की आवाज़ है। बीते दिनों जयपुर के एक निजी स्कूल में चौथी कक्षा की एक बच्ची ने आत्महत्या कर ली। देश इस ख़बर से सदमे में था ही कि अगले ही कुछ दिनों में अन्य छोटे बच्चों की आत्महत्या की खबरें सामने आईं। यह सिर्फ़ घटनाएँ नहीं हैं, बल्कि एक बड़ा सवाल हैं—क्यों इतने छोटे-छोटे बच्चे, जो अभी दुनिया को समझने की शुरुआत ही कर रहे होते हैं, अपनी जीवनलीला समाप्त करने जैसे कठोर फ़ैसले तक पहुँच जाते हैं? हम इस सच से जितना भी मुँह मोड़ने की कोशिश करें, हक़ीक़त यही है कि हम अपने बच्चों को समझने में, उनकी भावनाओं को पढ़ने में और उनकी ख़ामोशी को सुनने में बुरी तरह असफल रहे हैं।

बच्चा आखिर "मृत्यु" को कैसे समझता है?

अधूरी समझ भी बड़ा ख़तरा बन जाती है वयस्कों की तरह बच्चे मृत्यु की स्थायित्व को नहीं समझते। दुनियाभर के मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि— 5–7 वर्ष की उम्र तक बच्चा मृत्यु को "अस्थायी" या "वापस लौट आने वाली" घटना समझता है। 7–10 वर्ष की उम्र में वह इसे तकलीफ़ से भागने का रास्ता, डांट से बचने का तरीका या असफलता से पीछा छुड़ाने जैसा मान सकता है। यानी बच्चा यह नहीं जानता कि यह निर्णय ज़िंदगी के हर दरवाज़े को हमेशा के लिए बंद कर देता है। और यही अधूरी समझ—अपनी छोटी-छोटी परेशानियों को हल करने के चक्कर में—उसे सबसे खतरनाक कदम तक ले जा

सकती है। अमरीकन एकेडमी ऑफ़ पीडियाट्रिक्स ने भी चेतावनी दी है कि— बच्चों में आत्मघाती विचारों की दर तेज़ी से बढ़ रही है। प्राइमरी क्लासेस के बच्चों तक में जोखिम बढ़ने लगा है। स्कूलों में भावनात्मक मूल्यांकन और मानसिक स्वास्थ्य सहायता अब "विकल्प" नहीं, बल्कि "ज़रूरत" हो चुके हैं। यह चेतावनी इसलिए भी अहम है क्योंकि यह हमें बताती है कि ख़तरा कहीं बाहर नहीं— हमारे ही घरों में, हमारे ही बच्चों के भीतर मौजूद है।

नन्हा मन बोलता है—पर हम सुनते नहीं

बच्चा अपने दुख को बड़ों की तरह शब्दों में नहीं कह सकता। वह टूटता है, पर चुप रहता है। वह डरता है, पर कह नहीं पाता। वह रोना चाहता है, पर हंसने को मजबूर होता है। हम उसे कहते हैं— "इतनी सी बात पर रोते हो?" "डरने की क्या बात है?" "तुम तो बहुत बड़े हो गए हो!" "ये कोई परेशानी है?" "और बच्चों को देखो... कितना सहते हैं!" इन जुमलों से बच्चा एक बात सीख जाता है— "मेरी तकलीफ़ कोई मायने नहीं रखती।" धीरे-धीरे उसका दर्द "अहमियतहीन" बन जाता है... और उसकी ख़ामोशी "ख़तरा"।

घर का दबाव – प्यार के नाम पर अनजाने में की जाने वाली ज़्यादतियाँ

हर घर में कुछ बातें आम होती हैं— पढ़ाई का दबाव, तुलना, डांटना, छोटी गलतियों पर भी सज़ा, मोबाइल से दूर रहने की जबरन पाबंदियाँ, माता-पिता की लड़ाई, आर्थिक तनाव, सख़्त अनुशासन, माता-पिता हमेशा बुरे इरादे से ऐसा नहीं करते, लेकिन बच्चे की नज़र में यह सब कुछ "बहुत भारी" हो जाता है। दिल में चाहे कितना ही प्यार क्यों न हो, अगर रिश्ता संवादहीन हो जाए तो बच्चा खुद को अकेला समझने लगता है।

स्कूल का दबाव – रैंक, रिपोर्ट कार्ड और रिज़ल्ट की बेड़ियाँ

आज का स्कूल सिस्टम बच्चों पर बोझ बन गया है। रिज़ल्ट, रैंक, होमवर्क, परफॉर्मेंस, कंपटीशन, टीचर की डांट, साथियों की तुलना, छोटा बच्चा हर दिन एक ऐसी दौड़ में धकेला जाता है, जिसे वह समझता भी नहीं। कई बच्चे तो सिर्फ़ इसलिए टूट जाते हैं क्योंकि— "मैडम नाराज़ हो जाएँगी" या "मम्मी-पापा disappointment हो जाएँगे" इसी डर में वे भीतर-ही-भीतर घुटते रहते हैं।

सोशल मीडिया और डिजिटल दुनिया – मासूम दिमाग़ पर एक अदृश्य हमला

आज 8–10 साल के बच्चे तक मोबाइल, वीडियो गेम, सोशल मीडिया, ऑनलाइन तुलना, हिंसक कंटेंट के बीच बड़े हो रहे हैं। ये चीज़ें उनके दिमाग़ को बेचैन, अकेला, आक्रामक और इमोशनली कमजोर बना देती हैं। अक्सर बच्चे स्क्रीन के ज़रिए एक "काल्पनिक दुनिया" बना लेते हैं, और जब असल दुनिया उससे मैच नहीं करती तो वे टूट जाते हैं।

बच्चे की ख़ामोशी किन संकेतों में बदलती है?

माता-पिता को किन बातों पर तुरंत ध्यान देना चाहिए किसी भी बच्चे में अगर ये संकेत दिखें, तो इसे हल्का बिल्कुल न लें—

अचानक चुप हो जाना: पहले बातूनी बच्चा अगर अचानक शांत हो जाए, तो यह "अलार्म" है।

पढ़ाई में गिरावट: बच्चा पढ़ने वाला हो और अचानक सब कुछ बिगड़ने लगे, तो यह सिर्फ आलस नहीं होता।

भूख-सोने की आदतों में बदलाव, ग़ुस्सा या चिढ़चिढ़ापन बढ़ जाना, दोस्तों से दूरी बनाना

बार-बार बोलना— "मैं अच्छा नहीं हूँ", "सब नाराज़ हैं मुझसे", "मुझे कुछ नहीं आता" बार-बार डर, चिंता या उदासी अपने सामान को बांटना या "अलविदा" जैसा व्यवहार ये सभी लक्षण संकेत देते हैं कि बच्चा अंदर ही अंदर किसी बड़ी उलझन में फँसा हुआ है।

हम कहाँ ग़लत हो रहे हैं?

समाज और परिवार की सामूहिक नाकामी हमारी असल ग़लती यह है कि— हम बच्चों को अपने हिसाब से ढालना चाहते हैं, लेकिन उनके हिसाब से समझना नहीं चाहते। हम मानकर चलते हैं कि— बच्चा मजबूत है, बच्चा भूल जाएगा बच्चा छोटा है, इसे क्या समझ, बच्चा रोता है तो ड्रामा करता है, बच्चों की परेशानी बच्चों जैसी ही होती है, लेकिन यह सोच ही सबसे बड़ा धोखा है। बच्चा छोटा है— पर दिल उसका भी होता है। दर्द वह भी महसूस करता है। हमें बच्चों की भावनाओं को "हल्का" समझना बंद करना होगा।

क्या करें?

समाधान सिर्फ़ जागरूकता नहीं—व्यवहार में बदलाव

संवाद को रिश्ता बनाइए, पूछताछ नहीं: बच्चे से रोज़ सवाल पूछें— "पढ़ाई कैसी हुई?" की जगह "आज तुम्हारा दिन कैसा रहा?" वह पढ़ाई के बारे में बाद में भी बता देगा, पहले वह "महसूस" सुने जाने की उम्मीद रखता है।

तुलना छोड़ दीजिए, अपनापन बढ़ाइए: बच्चा तुलना से सबसे ज़्यादा टूटता है—पड़ोसी का बच्चा, भाई-बहन, क्लासमेट, रिश्तेदारों के बच्चे, हर तुलना उसके दिल में एक बड़ा घाव छोड़ती है।

घर को सुरक्षित जगह बनाइए

बच्चा स्कूल में डर झेल सकता है, समाज से दबाव झेल सकता है, लेकिन घर ऐसा होना चाहिए जहाँ वह बिना डर गिर सके, और बिना डर फिर उठ सके।

टीचर्स का रोल – सिर्फ़ पढ़ाना नहीं, सुनना भी स्कूलों में, काउंसलर, इमोशनल वेलनेस प्रोग्राम, बच्चों से संवेदनशील संवाद, अनिवार्य होना चाहिए। टीचर्स को भी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए कि डिप्रेशन, चिंता, तनाव और सामाजिक अलगाव के संकेत कैसे पहचाने जाएं।

मानसिक स्वास्थ्य को "टैबू" न समझें: बच्चे को, मनोवैज्ञानिक, काउंसलर, चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट के पास ले जाना कोई शर्म की बात नहीं है। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे बुखार आने पर डॉक्टर के पास जाना।

डॉक्टरों की पर्ची में प्रकृति आधारित इलाज का बढ़ता असर: नेचर प्रिस्क्रिप्शन बनी आधुनिक चिकित्सा की नई दिशा

-मानसिक तनाव, नींद की दिक्कत और जीवनशैली रोगों से राहत के लिए प्रकृति से जुड़ाव अब दवा जितना जरूरी

स्वास्थ्य और जीवन शैली से जुड़ी तमाम जटिलताओं के बीच आज दुनिया एक दिलचस्प और जरूरी परिवर्तन देख रही है। यह परिवर्तन किसी नई दवा, नई सर्जरी या किसी अत्याधुनिक मशीन से नहीं आया, बल्कि यह प्रकृति से आया है। दुनिया भर में डॉक्टर अब मरीजों को दवा के साथ-साथ "नेचर प्रिस्क्रिप्शन" यानी प्रकृति आधारित इलाज की सलाह भी दे रहे हैं। यह सुझाव केवल मौखिक सलाह तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब तो यह डॉक्टरों की लिखी हुई पर्चियों में बाकायदा शामिल होने लगा है। अमेरिका के पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय और नॉर्थ कैरोलिना यूनिवर्सिटी के नवीन शोध स्पष्ट बताते हैं कि नेचर प्रिस्क्रिप्शन तेजी से आधुनिक चिकित्सा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। अमेरिका में यह सामान्य प्रथा बनती जा रही है। ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कैमरून, स्पेन और जापान जैसे देशों में तो यह पहले से ही स्वास्थ्य नीति का अंग बन चुका है। इस विचार के पीछे मान्यता यह है कि प्रकृति से जुड़ाव— शरीर, मन और आत्मा तीनों को राहत देने वाली दवा है। भारत में भी यह धारणा नई नहीं है। हमारे यहां हमेशा से सुबह-सुबह टहलने, सूर्योदय के समय प्रकृति के संपर्क में रहने और खुले वातावरण में जीवन जीने को स्वस्थ दिनचर्या का मूल माना गया है। ऋषि-मुनियों की परंपरा में वन, नदी, पर्वत और खुले आकाश के बीच ध्यान और साधना को सर्वोत्तम चिकित्सा माना गया। आज आधुनिक विज्ञान भी उस पारंपरिक ज्ञान की पुष्टि कर रहा है।

नेचर प्रिस्क्रिप्शन क्या है?

नेचर प्रिस्क्रिप्शन यानी रोगी को डॉक्टर द्वारा यह सलाह देना कि वह नियमित रूप से प्रकृति के संपर्क में आए—जैसे कि: रोजाना पार्क में समय बिताना, सूर्योदय या सूर्यास्त देखना जंगल की सैर (Forest Bathing) पानी, नदी, झील या समुद्र के किनारे बैठना, मिट्टी, पौधों और पेड़ों के साथ समय बिताना, बागवानी, खेती, या खुले खेतों में चलना दुनिया के कई देशों में तो इसे "Green Prescription", "Eco-Therapy" या "Nature-Based Healing" के नाम से जाना जाता है। कई अस्पतालों ने ऐसे प्रोग्राम शुरू कर दिए हैं जहां डॉक्टर कार्ड या स्लिप देते हैं, जिसमें लिखा होता है कि रोगी को प्रतिदिन कितने मिनट बाहर खुले वातावरण में बिताने हैं।

प्रकृति क्यों बन रही है इलाज का हिस्सा?

मानव इतिहास के हजारों वर्षों तक मनुष्य प्रकृति में ही जीया है। आधुनिक जीवनशैली के कारण वह पहली बार प्रकृति से कट गया है। यही दूरी कई शारीरिक और मानसिक रोगों की जड़ मानी जा रही है। यहां कुछ प्रमुख कारण हैं जिनसे नेचर प्रिस्क्रिप्शन चिकित्सा जगत का नया आधार बन रहा है:

तनाव और चिंता को कम करने में अत्यधिक प्रभावी: पेड़ों के बीच टहलना, पक्षियों की आवाजें सुनना, हवा की हल्की सरसराहट—ये सब हमारे नर्वस सिस्टम को शांत करते हैं।

अध्ययन बताते हैं कि प्रकृति: कोर्टिसोल (Stress Hormone) को घटाती है, रक्तचाप नियंत्रित करती है, हृदय की धड़कन संतुलित करती है, जापान की "शिनरिन-योकू" परंपरा, अर्थात " Forest Bathing ", दुनिया में प्रसिद्ध हो चुकी है। इससे तनाव के स्तर में 20–30% तक कमी पाई गई है।

अवसाद और मानसिक बीमारियों में लाभ: प्रकृति में समय बिताने वाले लोगों में डिप्रेशन, अकेलापन, और थकान का स्तर कम होता है। डॉक्टरों के अनुसार, जो लोग प्रतिदिन 30 से 45 मिनट तक किसी हरियाली वाले स्थान में जाते हैं, उनमें मूड डिसऑर्डर की संभावना काफी घट जाती है।

नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है: प्राकृतिक रोशनी शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक को संतुलित करती है, जिससे: नींद जल्दी आती है, नींद गहरी होती है, अनिद्रा की समस्या घटती है, डॉक्टर आज नींद की दवाओं के साथ यह भी लिखने लगे हैं कि "सुबह 20 मिनट धूप लें"।

इम्यून सिस्टम मजबूत होता है

पेड़ों, मिट्टी और हरियाली से निकले सूक्ष्म तत्व (Phytoncides) हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।

यह तत्व: शरीर में Infection Fighting Cells बढ़ाते हैं, सूजन कम करते हैं, शरीर को Detox करते हैं

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों में भारी सुधार

प्रकृति में नियमित घूमना या हल्की शारीरिक गतिविधि: मोटापा, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, इन सभी में अत्यंत लाभदायक माना जा रहा है। यही वजह है कि जीवनशैली विशेषज्ञ आज प्रिस्क्रिप्शन में "Walk in Park: 40 minutes daily" लिखने लगे हैं।

डॉक्टर और अस्पताल क्यों कर रहे हैं इसे अपनाना?

अमेरिका के कई अस्पताल और क्लीनिक "Nature Therapy Departments" बना चुके हैं। वहां विशेषज्ञ रोगी के लिए Nature Activity Plan बनाते हैं, जैसे: कितने मिनट टहलना, किस तरह का वातावरण चुनना, कितने दिन तक प्रकृति-based गतिविधि करनी है, ऑस्ट्रेलिया और स्पेन में परिवार चिकित्सक इसे सामान्य दवा लिखने जैसा ही मानते हैं। ब्राज़ील और कैमरून में सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भी नेचर प्रिस्क्रिप्शन शामिल कर दिया गया है। भारत में अभी यह प्रारंभिक स्तर पर है, लेकिन तेजी से बढ़ रहा है। बड़े शहरों में डॉक्टर मानसिक स्वास्थ्य रोगियों को "Nature Exposure Therapy" रेगुलर लिख रहे हैं।

एनजीओ और सामाजिक संगठनों की भूमिका

नेचर प्रिस्क्रिप्शन के महत्व को देखते हुए दुनिया भर के कई सामाजिक संगठन इस दिशा में आगे आए हैं। वे: जंगलों में गाइडेड वॉक्स, बच्चों के लिए नेचर कैंप, बुजुर्गों के लिए गार्डनिंग थेरेपी, युवाओं के लिए आउटडोर स्पोर्ट्स जैसे कार्यक्रम चला रहे हैं। भारत में भी कुछ एनजीओ "Green Time" नामक कार्ड बांटते हैं, जिसमें लिखा होता है कि बच्चे को रोज कितने मिनट पार्क में खेलना है।

स्थानीय जल स्रोतों के संरक्षण, समुदाय की भागीदारी और प्राकृतिक जल प्रणालियों की पुनर्स्थापना से ही पानी पर आत्मनिर्भरता संभव

-जल-जीवन का प्रश्न: जल-स्वराज ही सच्ची सुरक्षा का मार्ग

पानी... जीवन का आधार, प्रकृति की सबसे हसीन नेमत, और इंसान के लिए ईश्वरीय उपहार। लेकिन यही पानी आज हमारे लिए सवाल, चिंता, बहस और संघर्ष का विषय क्यों बनता जा रहा है? "जल जीवन है या व्यापार?"—यह सवाल कभी पहले इस कदर दिमाग में नहीं उठता था, जितना पिछले चार-पांच सालों में उठने लगा है। शायद इसलिए कि मैं आदिवासी अंचल से आता हूं। वहां पानी सिर्फ एक संसाधन नहीं, बल्कि ईश्वर का रूप है। हम उसके आगे सिर झुकाते हैं, उसे पूजते हैं, उसे जीवन की पवित्र डोर मानते हैं। तो फिर यह चिंता क्यों? यह बेचैनी क्यों? क्या इंसान ने ईश्वर को भी व्यापार का हिस्सा बना दिया है? क्या पानी अब जरूरत नहीं, बल्कि "प्रॉडक्ट" बनता जा रहा है? यह सवाल बड़ा भी है और बेचैन कर देने वाला भी। मैं इस चर्चा को सिर्फ आध्यात्मिक या भावनात्मक पहलू से देखना नहीं चाहता। यह हमारी आने वाली पीढ़ियों से जुड़ा वास्तविक और ज़मीन से उठने वाला सवाल है। यह वह सवाल है, जिसे अनदेखा करना अब हमारे लिए संभव नहीं है।

हर घर नल—या हर घर निर्भरता?

मेरे भीतर पानी को लेकर सवालों की शुरुआत तब हुई, जब "हर घर नल" योजना की चर्चा सामने आई। यह विचार सुनने में अच्छा लगता है—हर घर में पानी, नल खुलेगा और साफ पानी आएगा। लेकिन एक क्षण के लिए रुककर यह सोचना जरूरी है कि प्रकृति ने हर घर में पानी पहुंचाने का तंत्र किस तरह बनाया था? कुएं, बावड़ियां, झरने, नदी-नाले, तालाब—ये सब किसी कागज़ी प्रोजेक्ट के तहत नहीं बने थे। न ही इन्हें किसी सरकारी योजना की जरूरत थी। ये प्रकृति और समुदाय की साझेदारी से बने तंत्र थे, जो हमारे पूर्वजों ने सदियों तक संभाले। पानी गांव का था, गांव वाले उसके रखवाले थे। यह ही जल-स्वराज का मॉडल था। लेकिन अब घरों के बाहर प्लास्टिक की पाइपें दिखती हैं। पहले जो गांव प्लास्टिक से लगभग मुक्त होते थे, अब वहां भी रबर-प्लास्टिक का जाल बिछ चुका है। सवाल यह है कि क्या यह विकास है या नई निर्भरता?

जो कभी पानी के ज़रिया दुनिया को सीख देते थे... वह आज खुद क्यों तरसते दिख रहे हैं?

आदिवासी और ग्रामीण समुदाय दुनिया को जल संरक्षण का सबसे मजबूत पाठ पढ़ाते रहे हैं। छोटे-छोटे तालाब, पहाड़ियों पर जलग्रहण संरचनाएं, जंगलों को पानी का घर मानकर उनकी पूजा—ये सब ऐसे मॉडल थे जिनसे पूरी धरती सीख ले। लेकिन अब वही समुदाय सरकारी नल पर निर्भर होते जा रहे हैं। यह कैसा बदलाव है? जो समुदाय जल-आत्मनिर्भर थे, वे आज कनेक्शन पर क्यों निर्भर हो रहे हैं? जो गांव खुद अपनी जरूरत के पानी का इंतजाम करते थे, वे अब किसी पाइपलाइन के रुकने से प्यासे क्यों हो जाते हैं? क्या यह विकास की दिशा में धकेला हुआ एक नया भ्रम है? या फिर यह "सुविधा" के नाम पर समुदाय को उसकी जड़ों से दूर करने की रणनीति? पानी पहले श्रद्धा था, विश्वास था, प्रकृति का दिया हुआ खजाना था। आज वह एक "सेवा" बन गया है, जिसके लिए बिल, रखरखाव, लागत, और मैनेजमेंट की जरूरत पड़ती है। क्या यह वही जल संस्कृति है, जिसके बारे में हम अपने बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं?

पानी—साधन, संसाधन या व्यापार?

यह सवाल आज हमें बार-बार सोचने पर मजबूर करता है। जब पानी बोतल में भरकर बिक रहा हो... जब पानी का "टेंडर" निकले... जब पानी की पाइपलाइन का "मैनेजमेंट कॉन्ट्रैक्ट" किसी ठेकेदार के पास हो... जब गांव के जलस्रोतों के आसपास कम्पनियाँ बोरवेल खोदकर लाखों लीटर रोज निकालें... तो फिर क्या पानी सिर्फ पानी रह जाता है?

या वह किसी बिज़नेस मॉडल का हिस्सा बन जाता है? यह कमी की वजह से पैदा हुआ व्यापार नहीं है, बल्कि व्यापार की वजह से बढ़ती कमी है।

क्या हमने आसान चीजों को मुश्किल बनाने की आदत डाल ली है?

हमारी एक प्रवृत्ति बन गई है—जो चीज हमें सहज रूप से मिलती है, वह हमें अच्छी नहीं लगती।

हम जटिल समाधान चाहते हैं। हम बड़ी परियोजनाओं में विश्वास करते हैं। लेकिन जल का मूल सिद्धांत simplicity (सरलता) ही है। पानी प्रकृति का सबसे सरल, सहज और सतत संसाधन था। लेकिन हमने उसे पाइप, मोटर, फिल्टर, टैंकर और बिल के जाल में उलझा दिया। यह सोचने वाली बात है कि— पानी को घर-घर पहुंचाने के स्थानीय, सस्ते, टिकाऊ और परंपरागत तरीके क्या कम प्रभावी थे? क्या परिवार या गांव-स्तर की जल प्रणाली दोबारा नहीं बनाई जा सकती? क्या हम प्राकृतिक जलस्रोतों को पुनर्जीवित कर अनगिनत समस्याओं का हल नहीं खोज सकते थे? हमने जो रास्ता चुना है, वह भारी परियोजनाओं, करोड़ों की लागत, बड़े रखरखाव और अंतहीन निर्भरता वाला है।

बड़ी जल परियोजनाओं पर गंभीर सवाल

कृषि सिंचाई परियोजनाओं हों या पेयजल परियोजनाएं— हर विशाल योजना अपने साथ कई बड़ी चिंताएं लेकर आती है:

लागत: किसी भी बड़ी परियोजना की लागत हजारों-करोड़ों में होती है। क्या इतने बड़े खर्च को हम लंबे समय तक झेल पाएंगे?

रखरखाव: नल, पाइप, फिल्टर, मोटर, टैंक—इन सबका मेंटेनेंस कौन करेगा? कितनी बार करेगा? कितने खर्च पर करेगा?

निरंतरता: बरसात कम हुई... डैम में पानी कम हुआ... पाइपलाइन में लीक हो गई... पंप खराब हो गया... तो पूरी व्यवस्था ठप हो सकती है। यह निर्भरता हमें कमजोर बनाती है।

टिकाऊपन: बड़ी योजनाएं अक्सर 20–30 साल के लिए बनाई जाती हैं, लेकिन उनका भविष्य अनिश्चित होता है।

जबकि पानी के प्राकृतिक स्रोत सदियों तक चलते हैं, अगर उनकी सही देखभाल हो।

सामाजिक प्रभाव: सबसे बड़ी चिंता यह है कि बड़ी परियोजनाएं समुदाय के हाथ से पानी का मालिकाना हक छीन लेती हैं। अब गांव का पानी... गांव वालों का रह ही नहीं गया। वह या तो सरकारी परियोजना का हिस्सा है... या निजी कंपनियों के नियंत्रण में जा रहा है। महात्मा गांधी ने स्वराज का अर्थ सिर्फ राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं बताया था। स्वराज का अर्थ है— अपने संसाधनों पर अपना हक, अपना नियंत्रण, और अपनी सहभागिता।

आमजन को उपलब्ध होगी सुगम परिवहन व्यवस्था - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेशभर में सुगम एवं अत्याधुनिक परिवहन तंत्र विकसित करने के लिए काम कर रही है। इसी कड़ी में जयपुर की बढ़ती आबादी के दबाव के मद्देनजर जयपुर मेट्रो विस्तार से शहरवासियों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही, शहर के यातायात दबाव को भी कम करने में जयपुर मेट्रो फेज-2 कारगर साबित होगा। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जयपुर मेट्रो विस्तार के संबंध में समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जयपुर की परिवहन व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए जयपुर मेट्रो का विस्तार अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेट्रो फेज-2 के तहत प्रोजेक्ट में खर्चे व लागत का समुचित आकलन किया जाये, ताकि वित्तीय संसाधनों का सदुपयोग होने के साथ ही आमजन के लिए भी सुदृढ़ ट्रांजिट व्यवस्था उपलब्ध हो सके।

भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाए मेट्रो रूट—

शर्मा ने कहा कि मेट्रो के आगामी विस्तार में मेट्रो स्टेशन ऐसे स्थानों पर बनाए जाएं, जहां यातायात का दबाव ज्यादा हो, जिससे आमजन को ट्रैफिक से राहत मिल सके। मुख्यमंत्री को बैठक में अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जयपुर मेट्रो फेज-2 की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का अनुमोदन कर केन्द्र सरकार को भेजा गया है। केन्द्र सरकार की मंजूरी मिलते ही इस परियोजना का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। बैठक में बताया गया कि जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना की लंबाई लगभग 42.80 किलोमीटर होगी। इसमें कुल 36 स्टेशन प्रस्तावित हैं जिनमें से 34 एलीवेटेड और 2 अंडरग्राउंड होंगे। फेज-2 सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, वीकेआई, जयपुर एयरपोर्ट, जयपुर रेलवे स्टेशन, गांधी नगर रेलवे स्टेशन जैसे प्रमुख स्थानों को आपस में जोड़ेगा। इसके माध्यम से एसएमएस स्टेडियम, एसएमएस हॉस्पिटल, कलेक्ट्रेट, विद्याधर नगर, अंबाबाड़ी, टोंक रोड़ के सभी प्रमुख आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्र तथा सीकर रोड़ सहित विभिन्न मुख्य क्षेत्र में भी आमजन को मेट्रो की निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। बैठक में मेट्रो के फेज-थ्री ए, बी और सी के विस्तार रूट पर भी चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से मेट्रो परियोजना के विस्तार को लेकर विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने की राज्य बजट घोषणाओं की समीक्षा

-विकसित भारत-2047 है राज्य के विकास और आमजन को बेहतर सर्विस डिलीवरी का रोडमैप - मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि विकसित भारत-2047 राज्य के विकास का रोडमैप है। इसके लिए सभी विभाग बजट घोषणाओं को धरातल पर समयबद्ध रुप से साकार करें जिससे राज्य सरकार का आमजन को बेहतर सर्विस डिलीवरी का लक्ष्य पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के सभी मध्यावधि और दीर्घकालिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी " की फेक्टर इंडिकेटर" को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना बनाकर उपलब्धि सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने मंगलवार को शासन सचिवालय में कौशल विकास उद्यमिता विभाग, उच्च शिक्षा, कला एवं संस्कृति, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, आयुर्वेद, सहकारिता, स्कूल शिक्षा, खेल एवं युवा मामले, मेडिकल एजुकेशन विभागों से सम्बंधित राज्य बजट घोषणाओं और विकसित भारत-2047 के इन्डिकेटर्स की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग बजट घोषणाओं को समयबद्धता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता के साथ पूरा करें जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास को राज्य में साकार करने के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मिशन के अनुरूप जनकल्याण के लक्ष्य की प्राप्ति हो सके। मुख्य सचिव ने शिक्षा सहित अन्य विभागों में कार्मिकों की गैर हाजिरी को रोकने के लिए बायोमीट्रिक अटेंडेंस और अन्य तकनीकी तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने जिला स्तरीय अस्पतालों की स्थिति और गत 2 वर्षों में हुए सुधार, मेडिकल कॉलेजों की संख्या, सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती मंजू राजपाल ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि द्वारा जारी किश्तों, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव कृष्ण कुणाल ने समग्र शिक्षा अभियान और मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान की प्रगति से अवगत करवाया। बैठक में कौशल विकास उद्यमिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका, खेल एवं युवा मामले विभाग के सचिव नीरज के. पवन, आयोजना विभाग के सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर, नेशनल हेल्थ मिशन के प्रबंध निदेशक डॉ. अमित यादव उपस्थित रहे।

नोहरपुर CHC की बड़ी पहल:

टोल प्लाज़ा पर चलाया गया पल्स पोलियो अभियान

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र में जनस्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मनोहरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) लगातार प्रभावी कदम उठा रहा है। शुक्रवार को CHC प्रभारी डॉ. नरेंद्र सिंह बधाला के दिशा-निर्देश में पल्स पोलियो अभियान के तहत मनोहरपुर टोल प्लाज़ा पर विशेष बूथ स्थापित किया गया, जहां गुजरने वाले शून्य से पाँच वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मी भवानी शंकर शर्मा ने अपनी टीम के साथ मुस्तैदी से बच्चों को दो बूंद जीवन की पिलाकर जनजागरूकता का संदेश दिया। शर्मा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। इस दौरान सारवान मोहल्ला की जैनब लोहानी व सालार अली लोहानी को पोलियो की खुराक पिलाई। CHC प्रभारी डॉ. बधाला ने कहा कि पल्स पोलियो कार्यक्रम राष्ट्र स्तर पर बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने का महत्वपूर्ण अभियान है और मनोहरपुर CHC इसे पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संचालित कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग के इस सक्रिय अभियान की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है। टोल प्लाज़ा पर लगाए गए इस विशेष बूथ ने बड़ी संख्या में गुजरने वाले वाहन चालकों व परिवारों को लाभान्वित किया।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई, 13 केन्टर सामान जब्त

-1 लाख 13 हजार 100 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूला

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी सर्किल से झालाना रोड़, झालाना गैराज के बाहर, अपेक्स सर्किल, महात्मा गांधी हॉस्पिटल सीतापुरा के सामने, आरयूएचएस हॉस्पिटल के बाहर, श्योपुर रोड़, करतारपुरा नाला, बड़ी चौपड़, जोहरी बाजार, सांगानेरी गेट, अग्रवाल कॉलेज, घाट गेट, ब्रह्मपुरी बाजार, जवाहर नगर, मामा की होटल रोड, फ्रंटियर कॉलोनी, फतेह टीबा कॉलोनी मार्ग, एम.डी. रोड, बड़ी चौपड़ गणेश मंदिर खंडा, हवामहल बाजार, चौड़ा रास्ता, किशनपोल बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार, संजय सर्किल से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 1 लाख 13 हजार 100 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 13 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी सर्किल से झालाना रोड़, झालाना गैराज के बाहर, अपेक्स सर्किल, महात्मा गांधी हॉस्पिटल सीतापुरा के सामने, आरयूएचएस हॉस्पिटल के बाहर, श्योपुर रोड़, करतारपुरा नाला, बड़ी चौपड़, जोहरी बाजार, सांगानेरी गेट, अग्रवाल कॉलेज, घाट गेट, ब्रह्मपुरी बाजार, जवाहर नगर, मामा की होटल रोड, फ्रंटियर कॉलोनी, फतेह टीबा कॉलोनी मार्ग, एम.डी. रोड, बड़ी चौपड़ गणेश मंदिर खंडा, हवामहल बाजार, चौड़ा रास्ता, किशनपोल बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार, संजय सर्किल से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 13 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 1 लाख 13 हजार 100 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

राजस्थान मंडप में भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले बन रहे आकर्षण का केन्द्र

-राजस्थान के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के मॉडल, कला और हस्त उत्पाद बन रहे आकर्षण का केन्द्र

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नई दिल्ली में चल रहे 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलें में राजस्थान मंडप में प्रदर्शित प्रदेश के विभिन्न पर्यटक स्थलों कें मॉडल्स तथा हस्तकला और अन्य प्रसिद्ध उत्पाद आकर्षण का केन्द्र बन रहे हैं। मंडप में हाड़ौती, मेवाड, मेरवाड़ा अंचलों को विषेश रूप से तैयार किया गया, जहां पर आगंतुक सेल्फी लेते हुए दिखाई दिए। मंडप में इस बार राजस्थान की पारंपरिक कला और संस्कृति ने लोगों का मन मोह लिया। मेले में राजस्थान की लोक कला का स्टॉल हर दिन भीड़ से भरा रहा। यहाँ आने वाले लोग लंबे समय तक रुककर कलाकृतियों को देखते रहे और कई आगंतुकों ने कहा कि उन्हें यहाँ एक अलग ही अपनापन और खुशी महसूस हुई। मेले में केवल वस्तुएँ ही नहीं, बल्कि राजस्थान की लोक-संस्कृति की जीवंत झलक भी देखने को मिली। यहाँ कठपुतली शो और राजस्थानी लोकनृत्य का मंचन किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकठ्ठा हुए। प्रस्तुति शुरू होते ही दर्शकों ने मोबाइल कैमरे निकाल लिए और बच्चे तालियाँ बजाते दिखाई दिए। सबके चेहरों की मुस्कान यह बता रही थी कि कला इंसान को कुछ पलों के लिए दुनिया की भागदौड़ से दूर ले जाती है। उस माहौल में ऐसा लग रहा था जैसे रंग-बिरंगा राजस्थान अपने पूरे सौंदर्य के साथ दिल्ली में उतर आया हो। कठपुतली प्रदर्शन के लिए सीकर से आए कलाकार अशोक भट्ट ने बताया कि वे लंबे समय से राजस्थान की पारंपरिक कला से जुड़े हुए हैं और पिछले कई वर्षों से वे विभिन्न मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी कला का प्रदर्शन करते आ रहे हैं। अशोक भट्ट ने बताया कि उनके लिए कला सिर्फ काम नहीं बल्कि जीवन का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि जब लोग उनके काम को समझते हैं और सराहते हैं, तो उन्हें लगता है कि उनकी मेहनत सफल हुई। उन्होंने कहा कि उन्हें यहाँ मिली गर्मजोशी और प्यार यह दिखाता है कि आज भी लोग अपनी जड़ों और संस्कृति से जुड़े रहना चाहते हैं। उनके अनुसार, सरकार द्वारा दिए गए मंच और सहयोग ने कलाकारों को आगे बढ़ने की बड़ी ताकत दी है। रोमानिया के प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान मंडप का अवलोकन किया। इस प्रतिनिधिमंडल ने मंडल में लगे प्रत्येक स्टॉल्स का भ्रमण कर स्टॉल संचालकों से वार्ता की। उन्होंने मंडप में प्रदर्शित उत्पादों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

सूफ़ी खानकाह ने दिल्ली आतंकी धमाके की निंदा व कठोर कार्रवाई की मांग की

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली लाल किला के पास हुई आतंकी धमाके की घटना का सूफ़ी खानकाह एसोसिएशन राजस्थान द्वारा कड़ी निंदा करते हुए, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, इस संबंध में, बयान जारी करते हुए सूफी खानकाह एसोसिएशन राजस्थान इकाई प्रदेश अध्यक्ष और सज्जादा नशीन दरगाह शेख सय्यद अहमद चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह अमरसर जयपुर राजस्थान सूफ़ी सय्यद आबिद अली चिश्ती फरीदी ने कहा कि भारत की अखंडता और एकता को कमजोर करने के उद्देश्य से लाल किला के पास की गई आतंकी धमाके की सूफ़ी खानकाह एसोसिएशन कड़ी निंदा करते है, उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों को हताहत करने वाली यह शर्मनाक घटना हमारी एकता को कमजोर नहीं कर सकती, उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि हुकूमत पहले की तरह कार्रवाई करते हुए इस हमले में शामिल लोगों को सबक सिखाएगी, उन्होंने कहा कि मजहब-ए=इस्लाम किसी भी तरह की दहशतगर्दी और जुल्म को बर्दाश्त नहीं करता, उन्होंने कहा कि पवित्र कुरान शरीफ में साफ-साफ हुक्म है कि जिसने किसी एक बेगुनाह को मारा उसने सारी इंसानियत को मारा, उन्होंने कहा कि इंसानियत को शर्मशार करने वाली इस घटना में हताहत हुए निर्दोष नागरिकों के परिवारों के साथ संवेदना व्यक्त करते हुए शांति और धैर्य की अपील करते हैं।

कोलायत के गंगा सरोवर कैचमेंट एरिया में वरिष्ठ अधिकारियों की टीम द्वारा अवैध खनन गतिविधियों का मंगलवार से ड्रोन सर्वे शुरू

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खान विभाग ने बीकानेर के कोलायत क्षेत्र के गंगा सरोवर कैचमेंट एरिया में अवैध खनन के आकलन के लिए मंगलवार से ड्रोन सर्वे का कार्य शुरू कर दिया है। अवैध खनन गतिविधियों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा तकनीक के युग में अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए ड्रोन जैसी नवीनतम तकनीक के उपयोग पर जोर देते रहे हैं। कोलायत के गंगासागर कैचमेंट एरिया में खनिज क्ले के अवैध खनन की जानकारी प्राप्त होते ही संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों की टीम बनाकर ड्रोन सर्वे के निर्देश दिए गए। ड्रोन सर्वे में माइनिंग व जियोलॉजी विंग के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाई गई है जिससे पारदर्शिता के साथ तय समय-सीमा में वास्तविक आकलन हो सके। प्रमुख सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त खान विभाग के अधीक्षण अभियंताओं सहित फील्ड अधिकारियों को अवैध खनन गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई के साथ ही ड्रोन से सर्वे कराते हुए निगरानी रखने के निर्देश समीक्षा बैठकों में देते रहे हैं। कोलायत के गंगासरोवर कैचमेंट एरिया में अवैध खनन की जानकारी संज्ञान में आते ही ड्रोन सर्वे कराकर आकलन के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों के क्रियान्विति में अधीक्षण खनि अभियंता एनके बैरवा के मार्गदर्शन में मंगलवार से ड्रोन सर्वे आरंभ हो गया है। खनि अभियंता धीरज पंवार, वरिष्ठ भू वैज्ञानिक मनोहर सिंह राठौड़ व करणवीर सिंह द्वारा ड्रोन सर्वे विशेषज्ञों के साथ सर्वे कार्य शुरू कर दिया गया है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 70-75 हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रोन सर्वे के माध्यम से अवैध खनन का आकलन किया जाएगा। इसमें तीन से चार दिन का समय लगने की संभावना है। गौरतलब है कि पिछले दिनों कोलायत के गंगा सरोवर कैचमेंट एरिया में खनिज क्ले आदि के अवैध खनन गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हुई है। राज्य सरकार द्वारा प्रकरण संज्ञान में आते ही सख्त कदम उठाते हुए तत्काल प्रभाव से कार्रवाई शुरू कर दी है। ड्रोन सर्वे की रिपोर्ट प्राप्त होने पर वास्तविक अवैध खनन का आकलन हो पाएगा। इसके साथ ही रिपोर्ट का परीक्षण कर विभाग द्वारा संबंधित के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने सभी अधीक्षण खनि अभियंताओं व फील्ड अधिकारियों को अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई में किसी तरह की कोताही नहीं बरतने के निर्देश देने के साथ ही आधुनिक नवीनतम तकनीक के उपयोग के निर्देश दिए हैं।

प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत के शीर्ष नेतृत्व की मीटिंग जोधपुर में सम्पन्न

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर संभाग एवं राज्य के विभिन्न जिलों से पधारे तेली महापंचायत के शीर्ष नेतृत्व की मीटिंग जोधपुर में अशरफ अली खिलजी संरक्षक महापंचायत की सदारत में सम्पन्न हुई जिसमें प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको ने शिरकत की इस से पूर्व आरको का जगह जगह स्वागत किया गया। आरको के साथ रमजान अकबर अली मंसूरी इरफान खान भी मौजूद रहे। इस से पूर्व जोधपुर सर्किटेट हाउस में जन नायक पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी मुलाकात हुई जिसमें तेली समाज के समस्त घटकों सहित हमेशा गहलोत साहब के समर्थन की बात कही साथ आरको ने समस्त जिलों के तेली समाज के कर्मठ कार्यकर्ता की सूची गहलोत साहब को सौंपी। तत्पश्चात अशरफ अली खिलजी ने जिम्मेदारों से संपूर्ण राज्य में अपनी क्षमता अनुसार समाज को शिक्षित करने एवं समाज में फैली बुराइयों के विरुद्ध एकजुट हो कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। अब्दुल लतीफ आरको ने फिजूल खर्च रोकने की अपील की तथा पैसे का इस्तेमाल उपयुक्त समय और उपयुक्त स्थान पर करने की बात कही साथ ही आरको ने इस तरह जिम्मेदारों की मीटिंग की प्रत्येक जिले में आवश्यकता बताई, ताकि जिलों में कार्य को गति मिल सके,इस से पूर्व जोधपुर संभाग के प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। मीटिंग में अब्दुल वहीद गजधर टीम के साथ पधारें। तत्पश्चात स्थानीय समाजसेवी की शादी में शिरकत की। उल्लेखनीय है कि पहले से तेशुदा कार्यक्रम के अंतर्गत मोहमद अतीक साहब से खुसूसी मुलाकात की गई।

मेड कुंडला को मिली बड़ी सौगात: नवसृजित पंचायत समिति की घोषणा पर क्षेत्र में जश्न

-आतिशबाज़ी और लड्डू बांटकर खुशी व्यक्त की

मनोहरपुर/विराटनगर (रॉयल पत्रिका)। मेड कुंडला को नवसृजित पंचायत समिति का दर्जा मिलने पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर ग्रामीणों ने राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, जयपुर ग्रामीण के लोकप्रिय सांसद राव राजेंद्र सिंह और विराटनगर के युगपुरुष कुलदीप धनखड़ का समस्त जनता की ओर से हार्दिक स्वागत और अभिनंदन व्यक्त किया। घोषणा के बाद मेड, नवरंगपुरा, पालड़ी सहित आसपास के गांवों में लोगों ने आतिशबाज़ी की, लड् बांटे और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देकर उत्सव का माहौल बनाया। इस मौके पर शिवपाल सूद, महेंद्र कसाना, मंडल अध्यक्ष महेश यादव, पुरण जी, बाबूलाल रावत, नवीन रावत, नंदलाल गुर्जर, रामप्रकाश नाई, बननाराम, धौलाराम, छाजूराम पोसवाल, रामकरण रावत, इस्लाम खान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। ग्रामीणों ने कहा कि नवसृजित पंचायत समिति बनने से क्षेत्र में प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी और विकास को नई दिशा मिलेगी।

अंबेडकर छात्रावास में कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों के प्रवेश की अंतिम तिथि 5 दिसंबर तक बढाई

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय डॉ. बी आर अंबेडकर छात्रावास मनोहरपुर में कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों के प्रवेश की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 5 दिसंबर 2025 कर दिया गया है।

आर्थिक रूप से कमजोर तथा दूर दराज क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से संचालित इस छात्रावास में प्रवेश तिथि बढ़ाई है; ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। इच्छुक विद्यार्थी अपने नजदीकी ई-मित्र पर जाकर ऑनलाइन आवेदन भर सकते हैं। छात्रावास में विद्यार्थियों को नि:शुल्क आवास, पौष्टिक भोजन, खेलकूद सुविधा, नियमित ट्यूशन ओर आवश्यक शैक्षिक संसाधन उपलब्ध कराए जाते है। यह जानकारी गणपत वर्मा पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा एससी मौर्चा ने दी है।

मीणा को अध्यक्ष बनने पर पठान ने खुशी जाहिर की

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जमवारामगढ़ के पूर्व विधायक गोपाल मीणा को पुनः जयपुर ग्रामीण का जिला अध्यक्ष बनने पर ग्राम आँधी में रहने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नदीम खान पठान ने मिठाईयां वितरण कर खुशी ज़ाहिर की व मीणा को सांफ़ा बंधवाकर मालाए पहनाकर व पुष्प वर्षा करके भव्य स्वागत किया है। इस दौरान पठान ने कहा कि मीणा कर्त्तव्य निष्ठ परिश्रमी ईमानदार दयालु व कांग्रेस का सच्चा सिपाही है ये कांग्रेस की नीति व रीति बताकर लोगोँ को कांग्रेस पार्टी में जोड़ रहे है। इस मौके पर मीणा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में किसानों की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ हैं खेती - बाड़ी के लिए प्रयुक्त होने वाला खाद भी समय पर नहीं मिल रहा है उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार गरीब मजदूर किसानों की हितैषी रही है आगे भी उनके हित अधिकारों की आवाज उठाते रहेंगे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

प्रमोद भाया ने विधानसभा में ली विधायक पद की शपथ

-कार्यकर्ताओं और शुभचिन्तकों ने दी भाया को शुभकामनाएं

बारां (रॉयल पत्रिका)। अन्ता विधानसभा उप चुनाव में ऐतिहासिक मतों से विजयी हुए विधायक प्रमोद जैन भाया द्वारा मंगलवार को विधानसभा में अपने समर्थकों की उपस्थिति में विधायक पद की शपथ ग्रहण की। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा सचिवालय से प्रमोद जैन भाया को मंगलवार को विधायक पद की शपथ ग्रहण करने हेतु आमन्त्रित किया गया था जिस पर भाया नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, उप नेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, हिण्डोली विधायक अशोक चांदना, विधायक रोहित बोहरा-राजाखेडा, विधायक अमीन कागजी-किशनपोल एवं अपने समर्थकों के साथ मंगलवार को विधानसभा भवन पहुंचे जहां पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा प्रमोद जैन भाया को 16वीं विधानसभा के सदस्य के रूप में भाया को विधानसभा सदस्य एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण करवायी गयी। शपथ ग्रहण उपरान्त विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा भाया को शुभकामना ज्ञापित की। जैन ने बताया कि इस अवसर जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा, पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल, करणसिंह राठौड, श्रीमती निर्मला सहरिया, सचिव पीसीसी हंसराज मीणा उदपुरिया, धर्मराज मेहरा रायथल, सदस्य पीसीसी अयूब खान बालदडा, जिला परिषद सदस्य प्रदीप काबरा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता घनष्याम नागर मिसाई, ब्लॉक अध्यक्ष मांगरोल रामस्वरूप बैरवा, ब्लॉक अध्यक्ष अन्ता ओम सुमन मिर्जापुर, ब्लॉक अध्यक्ष बारां सिद्वार्थ नागर फतेहपुर, नगर अध्यक्ष अन्ता ललित गालव, मण्डल अध्यक्ष लालचन्द मीणा, जसराज नागर, लोकेश नागर पूर्व सरपंच, विनय मालव, चेतन नागर आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे। सभी ने भाया के विधायक पद की शपथ ग्रहण करने पर उनका मुंह मीठा करवाकर उन्हें शुभकामनाएं दी।

मांगरोल: चुनाव जीतने के पश्चात प्रथम आगमन पर प्रमोद जैन भाया का भव्य स्वागत

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) । अंता-मागरोल विधानसभा उप चुनाव में विजय होने पर प्रथम बार नगर मांगरोल आगमन पर आए नवनिर्वाचित विधायक प्रमोद जैन भाया का मांगरोल में विभिन्न जगह पर जोरदार स्वागत किया गया। जहां-जहां भाया पहुंचे वहां कार्यकर्ताओं द्वारा प्रमोद भाया जिंदाबाद के नारे लगाए गए। वहीं कांग्रेस पार्टी से जुड़े मुस्लिम समाज के पदाधिकारियों द्वारा स्टेट हज कमेटी राजस्थान के पूर्व सदस्य हाजी मोहम्मद अशफाक ओर पूर्व नगर पालिका चेयरमैन जमील अहमद के नेतृत्व में फलों से तोल कर फूलों का बड़ा हार पहनाकर मुंह मीठा करवाकर साफा बांधकर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान, दानिश फारूक अहमद, अब्दुल गनी, हसमत अली, बदरुद्दीन, शोएब अख्तर, शादाब रहमानी, अशकार रिंकू, अहमद कादिर, इज़हार भैया, वसीम अकरम, मोईन आज़ाद अज्जु, साहिब चीनू, दीपक नागर, आकिब अंसारी, अख्तर, अमान, इरशाद, जुल्फिकार, जुनेद, जावेद, साईम, मुस्तफा, आफाक, इरशाद, जुनेद आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंसारी मोहल्ले में आए दिन पेयजल संकट

-मात्र एक बोरवेल पर निर्भर हजारों लोग, प्रशासन मौन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय पर शहर स्थित अंसारी मोहल्ला और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल संकट विकराल रूप ले चुका है। गलता रोड पर रहने वाले लोगों को आए दिन पानी की समस्या से जूझ ना पड़ता है, लेकिन जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों का रवैया इस गंभीर समस्या के प्रति लगातार उदासीन दिखाई दे रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि गलता रोड पर मात्र एक ही बोरवेल होने के कारण अंसारी मोहल्ला, माली मोहल्ला, खंगार मोहल्ला सहित अन्य क्षेत्रों की पूरी आबादी उसी पर निर्भर है। बोरवेल पुराना होने से वह अक्सर खराब हो जाता है और कुछ दिनों के अस्थायी समाधान के बाद समस्या फिर से खड़ी हो जाती है। इसके बावजूद न तो जिला प्रशासन ने कोई स्थायी कदम उठाए हैं और न ही जनप्रतिनिधि इस दिशा में रुचि दिखा रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग कि है अंसारी मोहल्ला क्षेत्र में नया अतिरिक्त बोरवेल तुरंत स्थापित किया जाए, ताकि आबादी को आये दिन पेयजल किल्लत का सामना नहीं करना पड़े।

गलता रोड स्थित हैंडपंप भी महीनों से खराब, नही लेते सुध :-

लोगों का कहना है कि गलता रोड़ स्थित हैंडपंप भी कई महीनों से खराब पड़ा है। जलदाय विभाग के कार्मिकों को लिखित में प्रार्थना पत्र देने के बावजूद भी अधिकारियों ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है, जिससे लोगों में आक्रोश है।

मस्जिद का कुआं बना लोगों का सहारा :-

लोगों बताया कि गलता रोड़ की पेयजल सप्लाई पिछले दो दिनों से पूरी तरह ठप होने के कारण आमजनता को दूर-दराज से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। ऐसे संकटपूर्ण माहौल में देश वाली मस्जिद का कुआं ही लोगों का एकमात्र सहारा बना हुआ है, जहां से वे रस्सियों और बाल्टियों के सहारे अपने रोजमर्रा के काम के लिए पानी खींचकर ला रहे हैं। पम्प संचालक रईस अंसारी ने बताया उच्च अधिकारियों को इस समस्या के समाधान हेतु कई बार अवगत कराया दिया गया है, परन्तु दो दिनों से लगातार आश्वासन दिया जा रहा है और अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। उन्होंने बताया कि भीषण पेयजल संकट के बावजूद प्रशासन आंखें मूंदे बैठा है, यदि जल्द ही ठोस समाधान नहीं निकाला गया तो स्थिति और भी गंभीर रूप ले सकती है।

अकीदतमंदो ने फूल पेश कर हर्षोल्लाह से मनाया हजरत इश्क अली शाह का उर्स

-महफिल-ए-सीमा में कव्वालियों ने सूफियाना कलाम पेश किया कूल की रस्म में अकीदतमंदो का हुजूम

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर बकरा मंडी स्थित दरगाह हजरत इश्क अली शाह रहमतुल्लाह अलैह का उर्स मुबारक कूल की अदायगी के साथ हुआ सम्पन्न। मूत्तवली राजू खान ने जानकारी देते हुए बताया कि हजरत इश्क अली शाह रहमतुल्लाह अलैह का तीन दिवसीय उर्स के दौरान कव्वाल मोइनुद्दीन मनचला, सलाम मनचला, विक्की मनचला, इकबाल मनचला, दिलशाद मनचला, इरफान तूफेल ओर शौकत अंन्दाज द्वारा सूफियाना कलाम पेश किए ओर कूल की रस्म अदायगी के साथ उर्स हुआ सम्पन्न। सचिव मोहम्मद सद्दीक ने उर्स में आए हुए जायरीनों का शुक्रिया अदा किया और कमेटी द्वारा समाजसेवीयो, कव्वालों ओर कार्यकर्ताओ की दस्तारबंदी की। कूल की रस्म के मौके पर मुत्तवली राजू खान, मोहम्मद सदीक सेक्रेटरी, मोहम्मद फारूक कोषाध्यक्ष, समाजसेवी साजिद खान जोधाणा, अकबर खान, सरपरस्त मोहम्मद साबिर, मोहम्मद हारून, मोहम्मद जावेद, आबिद हुसैन, समीर खान, अमजद खान, अनवर हुसैन, समीर सहित कई अकीदतमंद उपस्थित रहे।

नव मतदाताओं ने सीखी एसआईआर फॉर्म की ऑनलाइन प्रक्रिया

-पात्र युवाओं का किया जा रहा है पंजीयन

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में एसआईआर के प्रति नवमतदाताओं में जनजागृति के उद्देश्य से राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत ईएलसी सदस्यों ने आकर्षक रंगोली के माध्यम से मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रति जागरूक किया। प्राचार्य भगवान सिंह मीणा ने विद्यार्थियों को मतदान का महत्व बताते हुए उपस्थित जन को मतदान करने का संकल्प कराया कार्यक्रम में स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव ने निर्वाचन पोर्टल voters.eci.gov.in द्वारा गणना फॉर्म ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया समझाई तथा बताया कि 4 नवंबर से प्रारंभ हुए एस आई आर अभियान में जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित है उन सब का भौतिक सत्यापन करने के लिए बीएलओ द्वारा गणना फॉर्म प्रत्येक मतदाता से भरवाया जा रहा है,गणना फॉर्म को तीन भागों में बांटा गया है जिसमें ऊपर वाला प्रथम भाग प्रत्येक मतदाता द्वारा अपनी सामान्य जानकारी के साथ भरना है, वहीं गणना के लिए 2002 की मतदाता सूची को आधार माना गया है। वर्ष 2002 की वोटर लिस्ट को निर्वाचन विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन देखा जा सकता है। प्रत्येक मतदाता को अपना गणना फॉर्म 4 दिसम्बर से पूर्व भरना आवश्यक है। भार्गव ने बताया कि गणना के लिए मतदाता को 2002 की मतदाता सूची से लिंक किया जा रहा है, ऐसे मतदाता जिनका नाम 2002 की वोटर लिस्ट में मौजूद है उन्हें गणना फार्म के नीचे की ओर बायां भाग भरा जाना है तथा ऐसे मतदाता जिनका नाम 2002 की वोटर लिस्ट में नहीं है उन्हें अपने परिवार के किसी सदस्य यथा पिता-माता या दादा-दादी का 2002 की वोटर लिस्ट के अनुसार फार्म के दाएं भाग में जानकारी भरते हुए उनका ईपिक विवरण एवं निर्वाचन क्षेत्र, भाग संख्या एवं क्रम संख्या अंकित करना है। और अपना नवीनतम फोटो लगाना है तथा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज शामिल नहीं करना है। इससे वोटर लिस्ट में नाम की प्रामाणिकता हो जाएगी। साथ ही नव मतदाताओं को प्ले स्टोर से वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड करवाकर ऑनलाइन प्रक्रिया सेअपना नाम मतदाता सूची में पंजीयन करने की जानकारी दी गई तथा बताया कि बीएलओ द्वारा योग्य युवाओं के पंजीयन का कार्य भी किया जा रहा है। कार्यक्रम में सहायक प्रोफेसर डॉ शमशाद अली एवं एनएसएस प्रभारी शुभांगी जैन ने विद्यार्थियों से मतदाता सूची में अपना पंजीयन करवाने एवं विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में गणना फॉर्म भरने के लिए अपने परिचित जनों से प्रचार प्रसार करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन ईएलसी कोऑर्डिनेटर वी पी सिंह गुर्जर ने किया, कार्यक्रम में सह आचार्य नवीन नावरिया, सोहल जैन ,संदीप बुगालिया, एनएसएस कन्वीनर सांवरा राम, स्टाफ सदस्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी चूरू की बैठक संपन्न

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर एक बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता चूरू की मशहूर शख्सियत डॉ. मुमताज़ अली की सदारत में जामिया अरबिया इस्लामिया दारूल उलूम, जयपुर रोड़,चूरू में सम्पन्न हुई। जिसमें समाज से जुड़े हुए अहम मसलों पर विस्तृत विचार विमर्श/सार्थक चर्चा की गई। और सर्व सम्मति निम्न मुख्य एजेंडा पर प्रस्ताव पारित किए गए । 1. चूरू तहसील की समस्त वक़्फ़ प्रोपर्टीज का उम्मीद पोर्टल पर इंद्राज करवाने के लिए हाजी याक़ूब थीम के नेतृत्व में कल ही से अभियान चलाकर कार्य करना, 2. हाल ही में निर्वाचन विभाग द्वारा चल रहे अभियान एस आई आर में सहयोग करने बाबत वार्ड वाइज प्रतिनिधि नियुक्त कर कार्य को शतप्रतिशत पूर्ण करवाना, 3. माह दिसम्बर 2025 अंतिम सप्ताह में सीनियर सेकेंडरी स्तर के बच्चों की वाद - विवाद प्रतियोगिता का आयोजन करना, सभी वक्ताओं ने प्रतियोगिता के टॉपिक सुझाए और उपयुक्त टॉपिक के चयन हेतु अंतिम निर्णय एक्स एडिशनल कमिश्नर शौकत खान झारिया, एक्स एडिशनल एसपी अयूब खान एवं डॉ एफ एच गौरी को सौंपा गया। बैठक में निम्न सदस्यो ने अपने-अपने विचार रखें। हाजी याकूब थीम, डॉ. मुमताज़ अली, शौकत अली खान, रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर (सेल्स टैक्स), डॉक्टर एफ एच गोरी वरिष्ठ फिजिशियन, मोहम्मद अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी, मोहम्मद आरिफ खान प्रिन्सिपल, डॉ. मुस्तकीम शेख एक्स बैंक मैनेजर, डॉ. क़ादिर, गुलाम मोहियूद्दीन, सैयद आरिफ कमाल, मोहम्मद अली पठान, मैनुद्दीन खान चीफ वेलफेयर इंस्पेक्टर रेलवे, हबीब खान हेड कांस्टेबल, रशीद खान शिक्षाविद, सलीम खान दिलावरखानी, करामत खान, आवेश कुरैशी, रियाज खान एईएन, रिटायर्ड प्रिन्सिपल नजीर मोहम्मद खान, कैप्टन जसवंत खान, मुस्तफ़ा कुरैशी, उस्मान खान दिलावर खानी, मोहम्मद सदिक खान व.अध्यापक, रमजान मोहम्मद खान (अध्यापन), मोहसिन खान, मोहम्मद वसीम अध्यापक उपस्थिति हुए। सफल संचालन मोहम्मद आरिफ खान प्रिन्सिपल द्वारा किया गया। संस्था अध्यक्ष शौकत अली खान द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जिला कारागृह का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर द्वारा मंगलवार को जिला कारागृह सवाई माधोपुर का मासिक निरीक्षण किया गया। देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा कारागृह परिसर की साफ-सफाई, बैरकों की साफ-सफाई आदि के बारे में जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कारागृह में मरम्मत कार्य एवं रंग-रोगन संबंधी कार्य होना पाया गया। साथ ही देवेन्द्र दीक्षित द्वारा मौके पर उपस्थित जेलर बिहारीलाल से कारागृह में बंदियों की कुल संख्या, नए प्रवेश करने वाले बंदियों के नाम एवं पता, बंदियों को प्रदान की जाने वाली भोजन, पेयजल एवं चिकित्सकीय सुविधाओं, ई कियोस्क आदि के संबंध में पूछताछ की गई तथा बंदियों से वार्ता कर उनके मुकदमों, संबंधित थानों, न्यायालयों, परिजनों से बातचीत के समय, अपने मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ता की उपलब्धता आदि के संबंध में पूछताछ कर उनकी समस्याओं को सुना गया । देवेंद्र दीक्षित ने उपस्थित बंदियों को बताया कि जिन बंदियों के पास अपने मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ता उपलब्ध नहीं है, वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आवेदन करके अपने मुकदमों की पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकता है। साथ ही कारागृह में बंदियों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जेल विजिटिंग लॉयर एवं अधिकार मित्र को अपनी समस्या के संबंध में अवगत करवा सकते हैं । निरीक्षण के दौरान बंदियों द्वारा उन्हें प्रदान की जा रही मूलभूत सुविधाओं के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं की गई, ना ही शिकायत पेटिका में किसी भी प्रकार की शिकायत पाई गई। साथ ही प्रिजन लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से बंदियों को प्राप्त विधिक सहायता एवं जेल विजिटिंग लॉयर एवं जेल विजिटिंग अधिकार मित्र द्वारा की गई कार्यवाही के बारे में पूछताछ की गई । दौराने निरीक्षण कुल 79 बंदी उपस्थित पाएं गए। देवेन्द्र दीक्षित द्वारा बंदियों को साइबर अपराधों, चोरी, लूट, हत्या एवं हत्या के प्रयास तथा अन्य अपराधों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया । निरीक्षण के दौरान समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों, न्याय आपके द्वार-लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ और त्वरित समाधान अभियान, बंदियों के कल्याण की योजनाओं एवं नालसा हेल्पलाईन नंबर 15100 आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशुतोष सिंह आढ़ा, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल राधेश्याम जोगी, डॉ. मनोज गर्ग, अधिकार मित्र रणवीर चौधरी, मगनलाल मीना एवं कारागृह स्टाफकर्मी उपस्थित रहे।

भैंसा गांव में फेसबुक क्रिकेट क्लब का किया आयोजन

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। टोडाभीम उपखंड के गांव भैंसा में फेसबुक क्रिकेट क्लब का आयोजन किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ मंगलवार को 10:00 बजे किया गया जिसमें भैंसा के पूर्व सरंपच नन्हे खां, वर्तमान सरपंच मनिंदर सिंह भंडारी, सरपंच प्रत्याशी कासिम खान पौत्र पूर्व सरंपच बुंदु खां, जब्बार खान, डायरेक्ट बबलू योगी, ओर गांव के जिम्मेदार युवा साथी की मौजूदगी में टूर्नामेंट का उद्घाटन किया गया। जिसमें कासिम खान ने बताया कि इस टूर्नामेंट में प्रत्येक मैच निविया की बोल से खेल जाएगा, प्रत्येक मैच में मेन ऑफ-द-मैच दिया जाएगा और इस टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार 51000 हजार रूपये व शील्ड प्रदान की जायेगी व उपविजेता को 21000 हजार रुपए व शील्ड प्रदान की जाएगी व थर्ड को 5100 रुपए दिए जाएंगे और बताया कि खेल को खेल की भावना से खेले ईमानदारी से खेले किसी के साथ भेदभाव नहीं हो और सभी साथी इस टूर्नामेंट को सफ़ल बनाने में अपना योगदान दे। और इस टूर्नामेंट के फ़ाइनल मुकाबले में टोडाभीम विधायक व कांग्रेस करौली जिलाध्यक्ष घनश्याम महर, हिंडौन विधायक अनिता जाटव व युवा कांग्रेस जिला सचिव रिज़वान खान करेंगे शिरकत।

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय विजयनगर में विद्यार्थियों को नि:शुल्क जर्सी वितरण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय विजयनगर, चौथ का बरवाड़ा में सोमवार को विद्यार्थियों के बीच निःशुल्क जर्सी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल स्टॉफ द्वारा कुल 124 छात्र-छात्राओं को विद्यालय स्टाफ एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति में जर्सी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में एसएमसी उपाध्यक्ष दीपक चंद्र बैरवा, ग्रामवासी सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। स्टाफ में मुकेश कुमार साहू, भोला शंकर वर्मा, प्रशांत शर्मा, ममता मीना, अवधेश शर्मा मीना, जेलिया, एवं मो. अशरफ खान शामिल रहे। इस अवसर पर विद्यालय की दोनों कुक कम हेल्पर को भी जर्सी प्रदान की गई। जर्सी पाकर विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। एसएमसी उपाध्यक्ष सहित ग्रामवासियों ने विद्यालय स्टाफ के प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने 37 बीएलओ का किया सम्मान

-6 बीएलओ को मिला मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मिला प्रशस्ति पत्र

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर-2026) के अंतर्गत जिले में गणना प्रपत्रों के शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य करने वाले 37 उत्कृष्ट बीएलओ को कलक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले में ईसीआई-नेट पोर्टल पर गणना प्रपत्रों का अपलोड कार्य तेज गति से जारी है तथा जिले के लगभग सभी विधानसभा क्षेत्रों में 81 प्रतिशत से अधिक डिजिटाइजेशन पूर्ण किया जा चुका है। बामनवास विधानसभा 84.44 प्रतिशत प्रपत्र अपलोड के साथ जिले में प्रथम स्थान पर है, जबकि सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी और खंडार में भी 80 प्रतिशत से अधिक प्रपत्र अपलोड किए जा चुके हैं। वर्तमान में सवाई माधोपुर जिला 81.23 प्रतिशत डिजिटाइजेशन के साथ राज्य में लगातार छठे स्थान पर है।

संवाद और प्रेरक अनुभवों ने बढ़ाया उत्साह :-

कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राकेश गुर्जर, इब्राहिम खान, सलीम खान, मनोज कुमार मीना, हरकेश मीना, सतीश चंद्र महावर, नेतराम प्रजापत, जुबेर अहमद, फरियाद खान, बनवारी लाल मीणा, अशफाक अहमद, सैयद साबिर अली, अमर सिंह गुर्जर, प्रेम प्रकाश माली, भागीरथ सिंह, मेघराज सिंह बैरवा सहित 37 बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। बामनवास के बीएलओ मनोज कुमार मीणा ने बताया कि वे विज्ञान विषय के अध्यापक हैं और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसलिए उन्होंने 18 नवम्बर को ही अपना पूरा कार्य पूर्ण कर लिया था। वहीं बीएलओ जुबेर अहमद ने कहा कि "पहली बार एसआईआर के दौरान ऐसा लगा कि सरकार ने बीएलओ बनाकर हमारा मान-सम्मान बढ़ाया है।" बीएलओ प्रेम प्रकाश माली ने अपनी कविता के माध्यम से कार्य के दौरान आई चुनौतियों और संकल्प को साझा करते हुए अन्य बीएलओ को भी प्रेरित किया।

समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश :-

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ द्वारा बताई गई समस्याओं को गंभीरता से सुना और कहा कि जिला एवं उपखण्ड स्तर की आईटी टीम इनके त्वरित निस्तारण के लिए लगातार कार्यरत है। उन्होंने सभी बीएलओ से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र के अन्य बीएलओ को भी सहयोग करें, ताकि जिले में एसआईआर-2026 का कार्य सफलतापूर्वक एवं समयबद्ध पूर्ण किया जा सके।

“ऑर्थोपेडिक्स में नई ऊँचाइयाँ—गीतांजली हॉस्पिटल के डॉ. संगम त्यागी ने हासिल की तीन एडवांस फेलोशिप”

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के ऑर्थोपेडिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संगम त्यागी ने उन्नत ऑर्थोपेडिक फेलोशिप का एक उत्कृष्ट श्रृंखला प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह प्रशिक्षण उन्होंने देश के सुप्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन, पूर्व प्रोफेसर PGIMER चंडीगढ़ और वर्तमान में मैक्स हॉस्पिटल मोहाली के प्रिंसिपल डायरेक्टर एवं ऑर्थोपेडिक्स विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश सेन के मार्गदर्शन में प्राप्त किया। डॉ. त्यागी ने जटिल प्राइमरी एवं रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट, पेल्वी-एसीटाबुलर ट्रॉमा एवं रिकंस्ट्रक्शन तथा रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट जैसे अत्याधुनिक विषयों में विशेष प्रशिक्षण हासिल किया है। इन उन्नत विशेषज्ञताओं के जुड़ने से गीतांजली हॉस्पिटल के ऑर्थोपेडिक विभाग की सेवाओं का दायरा और गुणवत्ता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। विशेष रूप से रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट जैसी अत्याधुनिक और सटीक तकनीक अब उदयपुर के गीतांजली हॉस्पिटल में उपलब्ध है, जिससे रोगियों को महानगरों एवं विश्वस्तरीय संस्थानों के स्तर की सुविधा स्थानीय स्तर पर प्राप्त हो रही है।

नव मतदाताओं ने सीखी एसआईआर फॉर्म की ऑनलाइन प्रक्रिया

-पात्र युवाओं का किया जा रहा है पंजीयन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में एसआईआर के प्रति नवमतदाताओं में जनजागृति के उद्देश्य से राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत ईएलसी सदस्यों ने आकर्षक रंगोली के माध्यम से मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रति जागरूक किया।

प्राचार्य भगवान सिंह मीणा ने विद्यार्थियों को मतदान का महत्व बताते हुए उपस्थित जन को मतदान करने का संकल्प कराया-

कार्यक्रम में स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव ने निर्वाचन पोर्टल द्वारा गणना फॉर्म ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया समझाई तथा बताया कि 4 नवंबर से प्रारंभ हुए एस आई आर अभियान में जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित है उन सब का भौतिक सत्यापन करने के लिए बीएलओ द्वारा गणना फॉर्म प्रत्येक मतदाता से भरवाया जा रहा है,गणना फॉर्म को तीन भागों में बांटा गया है जिसमें ऊपर वाला प्रथम भाग प्रत्येक मतदाता द्वारा अपनी सामान्य जानकारी के साथ भरना है, वहीं गणना के लिए 2002 की मतदाता सूची को आधार माना गया है। वर्ष 2002 की वोटर लिस्ट को निर्वाचन विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन देखा जा सकता है। प्रत्येक मतदाता को अपना गणना फॉर्म 4 दिसम्बर से पूर्व भरना आवश्यक है। भार्गव ने बताया कि गणना के लिए मतदाता को 2002 की मतदाता सूची से लिंक किया जा रहा है, ऐसे मतदाता जिनका नाम 2002 की वोटर लिस्ट में मौजूद है उन्हें गणना फार्म के नीचे की ओर बायां भाग भरा जाना है तथा ऐसे मतदाता जिनका नाम 2002 की वोटर लिस्ट में नहीं है उन्हें अपने परिवार के किसी सदस्य यथा पिता-माता या दादा-दादी का 2002 की वोटर लिस्ट के अनुसार फार्म के दाएं भाग में जानकारी भरते हुए उनका ईपिक विवरण एवं निर्वाचन क्षेत्र, भाग संख्या एवं क्रम संख्या अंकित करना है। और अपना नवीनतम फोटो लगाना है तथा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज शामिल नहीं करना है। इससे वोटर लिस्ट में नाम की प्रामाणिकता हो जाएगी। साथ ही नव मतदाताओं को प्ले स्टोर से वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड करवाकर ऑनलाइन प्रक्रिया से अपना नाम मतदाता सूची में पंजीयन करने की जानकारी दी गई तथा बताया कि बीएलओ द्वारा योग्य युवाओं के पंजीयन का कार्य भी किया जा रहा है। कार्यक्रम में सहायक प्रोफेसर डॉ शमशाद अली एवं एनएसएस प्रभारी शुभांगी जैन ने विद्यार्थियों से मतदाता सूची में अपना पंजीयन करवाने एवं विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में गणना फॉर्म भरने के लिए अपने परिचित जनों से प्रचार प्रसार करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन ईएलसी कोऑर्डिनेटर वी पी सिंह गुर्जर ने किया, कार्यक्रम में सह आचार्य नवीन नावरिया, सोहल जैन, संदीप बुगालिया, एनएसएस कन्वीनर सांवरा राम, स्टाफ सदस्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

पोलियो अभियान के दूसरे दिन घर घर जाकर बच्चो को पिलाई पोलियो कि दवा

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत रविवार को बूथ और ट्रांज़िट टीमों के माध्यम से पोलियो की दवा पिलाने के बाद अभियान के दूसरे दिन विभागीय टीमों द्वारा घर-घर जाकर पोलियो कि दवा पिलाई गयी। विभाग द्वारा 1 हजार 568 हाउस टू हाउस टीमे बनाई गयी है जिनके माध्यम से घर-घर पहुंच कर बच्चो को जिंदगी की दो बूँद पिलाई गयी। इन हाउस टू हाउस टीमों ने घर-घर जाकर यहा सुनिश्चित किया गया कि कोई भी बच्चा इस दवा को पीने से छूट ना जाए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जेमिनी ने बताया कि 0 से 5 वर्ष तक के बच्चो को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है। सोमवार को शहरी एवं ग्रामीण दोनो क्षेत्रों मे दवा पिलाई गयी व मंगलवार को केवल शहरी क्षेत्र मे घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी। पोलियो अभियान की शत-प्रतिशत सफलता के लिए स्वास्थ्य विभाग अन्य विभागों व हेल्थ पार्टनर्स के साथ समन्वय बनाकर कार्य कर रहा है। सभी को शून्य से 05 साल तक बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिला कर लक्ष्य प्राप्त करने के पूर्ण प्रयास किये जा रहा है। अभियान की शत-प्रतिशत सफलता के लिए माइक्रोप्लान बना कर कार्य किया जा रहा है। अभियान मे नवजात से लेकर 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है। जिले भर मे तीन दिनों मे 233099 बच्चों को खुराक पिलाई जा रही है। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा सघन मॉनिटरिंग की जा रही है।

प्रदेश में जल प्रबन्धन का नया अध्याय होगा डूंगरी बांध

-सवाई माधोपुर-करौली जिलों में 1 लाख 25 हजार हैक्टेयर नया सिंचित क्षेत्र विकसित होगा

-डूंगरी बांध की पूर्व निर्धारित ऊंचाई को घटाकर 227.5 मीटर करने से जलभराव क्षेत्र सीमित हुआ

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में पेयजल और सिंचाई की बरसों पुरानी आवश्यकता को पूरा करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा संशोधित पार्बती-कालीसिंध-चम्बल (पीकेसी) लिंक परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित डूंगरी बांध निर्माण के विषय पर सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में राजस्थान वाटर ग्रिड कॉरपोरेशन के मुख्य महाप्रबंधक व मुख्य अभियंता राकेश कुमार गुप्ता ने विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को परियोजना के तकनीकी पहलुओं, लाभों और प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास से जुड़े प्रावधानों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार के साथ एमओयू कर पूर्वी राजस्थान को जल-आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सवाई माधोपुर करौली जिले के किसानों की वर्षों पुरानी मांग वर्तमान सरकार पूरा करने जा रही हैं । संशोधित पीकेसी योजना में डूंगरी बांध से पूर्व में तैयार की गई इंदिरा लिफ्ट योजना व पीपल्दा लिफ्ट सिंचाई योजना में प्रस्तावित क्षेत्र भी लाभान्वित होंगा। उन्होंने कहा कि डूंगरी बांध की पूर्व निर्धारित ऊंचाई 230 मीटर को घटाकर अब 227.5 मीटर कर दिया गया है, जिससे जलभराव क्षेत्र सीमित हुआ है। परियोजना के तहत मोरेल और बनास नदी पर प्रस्तावित डूंगरी बांध से सवाई माधोपुर एवं करौली जिलों की 1.25 लाख हैक्टेयर भूमि सिंचित होगी तथा दोनों जिलों को पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इससे किसानों की आय बढ़ेगी, उद्योग-धंधों, पर्यटन और स्थानीय रोजगार में भारी वृद्धि होगी।

सवाई माधोपुर में सिर्फ 10 गांवों की आबादी होगी प्रभावित, गलत प्रचार से दूर रहें-

मुख्य अभियंता गुप्ता ने स्पष्ट किया कि डूंगरी बांध के बनने से केवल 16 गांवों का आबादी क्षेत्र ही प्रभावित होगा, जिनमें सवाई माधोपुर जिले के मात्र 10 गांवों का आबादी क्षेत्र ही शामिल हैं। यह अधिकांश क्षेत्र पहले से मोरेल और बनास नदी की बाढ़ से नियमित रूप से प्रभावित होता रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों द्वारा 76 गांवों के प्रभावित होने का भ्रम फैलाया जा रहा है। मुख्य अभियंता के अनुसार, डूंगरी बांध परियोजना में सवाई माधोपुर-करौली जिलों में 10 से 75 प्रतिशत प्रभावित संभावित आबादी क्षेत्र में सवाई माधोपुर के बाड़ोलास, डूंगरी, सामोली, सांकड़ा 4 गांव और 75 प्रतिशत से अधिक संभावित आबादी क्षेत्र में बाढ़ बिलोली, बिलोली नदी, भूरी पहाड़ी, तालेड़ा, भावपुर एवं खिदरपुर जादौन 6 गांव शामिल हैं।

प्रदेश के 17 जिलों और 40 प्रतिशत आबादी को मिलेगा लाभ-

गुप्ता के अनुसार, संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना से कुल 2 लाख 51 हजार हैक्टेयर नवीन सिंचाई क्षेत्र सृजित होंगे और 1 लाख 52 हजार हैक्टेयर सिंचाई क्षेत्र का पुनर्स्थापन होगा। करौली जिले में 71 हजार 775 हैक्टेयर एवं सवाई माधोपुर 53 हजार 225 हैक्टेयर क्षेत्र में नए सिंचित क्षेत्र विकसित होंगे। इस प्रकार दोनों जिलों में कुल 1 लाख 25 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में नवीन सिंचित क्षेत्र विकसित होंगे। साथ ही, 33 हजार हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र का पुनर्स्थापन भी संभव होगा। परियोजना लागू होने पर प्रदेश के सवाई माधोपुर-करौली सहित 17 जिलों और लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या को पेयजल और औद्योगिक जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। अधिकांश जलभराव बनास और मोरेल नदियों के जल बहाव क्षेत्र में रहेगा, प्रशासन ने की अपील “सही जानकारी लें, भ्रम से बचें” :- जिला कलक्टर काना राम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में आमजन को परियोजना के तथ्य स्पष्ट रूप से समझाएं, ताकि किसी प्रकार का भ्रम या गलत धारणा न फैल सके। डूब क्षेत्र के अधिकतर गांव पूर्व में भी प्राकृतिक जलभराव से प्रभावित होते रहे हैं, ऐसे में डूंगरी बांध उनका स्थायी समाधान बनेगा और बाढ़ नियंत्रण में भी सहायक सिद्ध होगा। काना राम ने कहा कि राज्य सरकार जनता के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और किसी भी प्रकार के विस्थापन के संबंध में पारदर्शी एवं मानव-केन्द्रित नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि मंत्री महोदय द्वारा भी स्पष्ट किया जा चुका है कि “अधिक गांवों के विस्थापन” संबंधी दावे असत्य और तथ्यों से परे हैं। जिला प्रशासन ने पुनः आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों से दूर रहें और किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जल संसाधन विभाग से तथ्यात्मक विवरण प्राप्त करें।

सम्पर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों के त्वरित समाधान के निर्देश

-जिला कलक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। आवश्यक सेवाओं बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा सहित सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज लम्बित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए सोमवार को जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने सभी विभागों से सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों की समीक्षा करते हुए न्यूनतम समय में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कर परिवादी को दूरभाष पर अवगत करवाने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी कार्यालय में नियमित जनसुनवाई कर परिवादों का निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को उनके कार्यालयों में रजिस्टर संधारण कर लोकायुक्त, मानवाधिकार और मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त होने वाले प्रकरणों का निस्तारण करने एवं लाइट्स पोर्टल में जवाबनामा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत चयनित लाभार्थियों के संबंध में कार्ययोजना तैयार कर दो दिवस में कलेक्ट्रेट कार्यालय में भिजवाने के निर्देश सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को प्रदान किए। उन्होंने कहा कि सभी पात्र लाभार्थियों को सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के अन्तर्गत विकास कार्यो संबंधित प्रस्ताव 27 नवम्बर तक भिजवाने के निर्देश भी दिए। बजट घोषणाओं एवं महत्वपूर्ण विभागीय योजनाओं की समीक्षा :- उन्होंने बजट घोषणा 2024-25, 2025-26 एवं महत्वपूर्ण विभागीय योजनाओं से संबंधित लम्बित कार्यो की बिंदुवार समीक्षा करते हुए वाईफाई एनेबल लाईब्रेरी और को-वर्किंग स्टेशन की स्थापना के संबंध में चयनित स्थान पर इन्फ्रास्टेक्चर तैयार करने हेतु प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश संयुक्त निदेशक सूचना प्राद्योगिकी और संचार विभाग पंकज मीना को दिए। साथ ही, उन्होंने गंगापुर सिटी में ओडिटोरियम के संबंध में डीपीआर एवं टेण्डर प्रक्रिया में प्रगति लाने के निर्देश नगर परिषद आयुक्त गंगापुर को दिए। इसके साथ ही, डिस्ट्रिक इमरजेंसी ऑपरेशन सेन्टर, नवीन दुग्ध संयंत्र स्थापना, हवाई पट्टी मरम्मत और उन्नयन कार्य, रामेश्वरघाट त्रिवेणी संगम विकास कार्य, स्मार्ट सिटी योजना सहित अन्य विभागीय घोषणाओं की विस्तार से जानकारी लेकर आवश्याक दिशा-निर्देश निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रगतिरत कार्यों को तय समय सीमा में पूर्ण किया जावें। इसमें लापरवाही नहीं बरती जावें।

सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रमों की तैयारी प्रारम्भ करने के निर्देश-

जिला कलक्टर ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिसम्बर माह में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय विकास प्रदर्शनी, जिला दर्शन पुस्तिका, विभिन्न विकास कार्या का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रमों, पंच गौरव सहित अन्य आंवटित कार्य के अनुसार आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को विकास पुस्तिका हेतु विभागीय उपलब्धियां एवं सफलता की कहानियां एक सप्ताह में सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय को भिजवाने के निर्देश दिए है।

मेघवाल ने संभाला प्रधानाचार्य का पदभार

पाली (रॉयल पत्रिका)। निर्देशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर की ओर से हाल ही मे प्रधानाचार्य पद के स्थानान्तरण आदेश के बाद सोमवार को कार्मिको ने नवीन पदस्थापन पर पदभार ग्रहण किया। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मिल क्षेत्र में दौलाराम मेघवाल ने प्रधानाचार्य पद पर कार्य ग्रहण किया। इस मौके पर मेघवाल ने कहा कि विद्यार्थियों का शैक्षिक स्तर उपर उठाना व विद्यालय मे सुशासन की पहल उनका प्रमुख कार्य रहेगा। इस मौके पर शिक्षाविद्व एन के राजा,लच्छाराम वाघेला,मोहन लाल कुड़िया, नेनाराम चौहान, बाबूलाल चौहान,बलवीर कुमार पारंगी, खीमाराम पारंगी, धर्मेंद्र सोलंकी,कैलाश सुमन, राजेश्वर पुनड, ओम उदाणिया, मदनलाल बामणिया, मोहन परमार, विजय कुमार बालोटिया, सुखदेव देपन, डूंगर राम हटेला, नवीन कुमार जैन, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार, भंवर गोरी, पूजा चारण, अरुण चौधरी आदि मौजूद रहे।

सात दिवसीय भ्रमण के लिए किसानों का दल रवाना

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। अंतर राज्यीय कृषक भ्रमण दल सात दिवसीय भ्रमण के लिए सोमवार को रवाना हुआ। यह दल हिसार, लुधियाना, करनाल और हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जाएगा। संयुक्त निदेशक (कृषि) मदनलाल ने उपनिदेशक तथा पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। इस दौरान जिला विस्तार अधिकारी डॉ. रामकिशोर मेहरा, उप परियोजना निदेशक (आत्मा) ममता, रमेश चंद्र भांभू, राजेंद्र पहाड़िया, मालाराम तथा भंवरलाल पचार आदि मौजूद रहे। कृषि अधिकारी पारसनाथ तथा वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक बनवारी लाल भ्रमण दल प्रभारी रहेंगे। कृषकों का यह दल पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना, डॉक्टरेट का मशरूम रिसर्च चंबाघाट सोलन, वाईएस परमार यूनिवर्सिटी ऑफ़ हॉर्टिकल्चर, सेंट्रल पोटैटो रिसर्च इंस्टीट्यूट शिमला, एनडीआरआई करनाल, चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार आदि कृषि संस्थाओं का भ्रमण करेगा। इसका उद्देश्य राजस्थान के बाहर हो रहे कृषि और कृषि से संबंधित कार्यों तथा पशुपालन की उन्नत तकनीक से कृषकों को रूबरू करवाना है। जिससे कृषक नवीन तकनीकों का उपयोग अपने क्षेत्र में कर सकें।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर किशनगंज में जिला स्तरीय पदयात्रा

-राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया

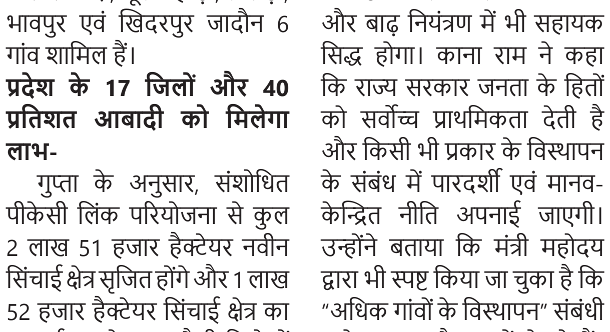

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा माय भारत केंद्र बारां के संयुक्त तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर ‘सरदार/150 यूनिटी मार्च’ के तहत जिला स्तरीय द्वितीय पदयात्रा का आयोजन किशनगंज ब्लॉक में किया गया। पदयात्रा का शुभारंभ भारत माता कॉलेज, किशनगंज से बस स्टैंड तक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में किशनगंज विधायक ललित मीणा उपस्थित रहे। पदयात्रा सह-समन्वयक सत्येन्द्र सिंह, भारत माता कॉलेज के चेयरमैन अरमान मलिक, थाना अधिकारी रमेशचंद, प्राचार्य हेमराज नायक, व्याख्यता रिया सक्सेना, निधि गौतम सहित कई जनप्रतिनिधि, शिक्षण एवं युवा संगठन से जुड़े सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सरदार पटेल एवं भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। वंदेमातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर ‘वंदेमातरम् वर्ष’ के अंतर्गत सामूहिक वंदेमातरम् गान किया गया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत माय भारत केंद्र बारां के जिला युवा अधिकारी कुमार मधुकर, लेखा एवं कार्यक्रम सहायक अरुण कुमार जैमिनी, युवा स्वयंसेवक एवं युवा मंडल पीपल्दा के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया।

जिला युवा अधिकारी मधुकर ने बताया कि सरदार/150 थीम आधारित यह पदयात्रा देशभर में एकीकृत भारत के दृष्टिकोण को मजबूत करने एवं युवाओं में राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। विधायक ललित मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने रियासतों के एकीकरण के माध्यम से आधुनिक भारत की नींव मजबूत की। उन्होंने युवाओं से सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेने और राष्ट्रहित में अग्रसर होने का आह्वान किया। उन्होंने माय भारत केंद्र द्वारा युवा शक्ति को जोड़ने के प्रयासों की भी सराहना की। कार्यक्रम में कुमार गंधर्व लोक कला मंडल, छीपाबड़ौद सहित विभिन्न सांस्कृतिक दलों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। विधायक मीणा ने उपस्थित युवाओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ तथा आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेशी अपनाने की शपथ दिलाई। राष्ट्रगान के पश्चात पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

पदयात्रा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, स्वयंसेवकों एवं लोक कलाकारों ने तिरंगा यात्रा के रूप में उत्साहपूर्वक भाग लिया। मार्ग भर देशभक्ति के गीत, नारों और लोकनृत्यों ने वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर किया। विधायक मीणा स्वयं राष्ट्रीय ध्वज लेकर युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए पूरे मार्ग में साथ चले। पदयात्रा बस स्टैंड पर पहुंचकर सम्पन्न हुई, जहां अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का औपचारिक समापन किया गया।

मुस्कान स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने पोस्टर प्रतियोगिता में दिखाई अपनी प्रतिभा

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी प्राकृतिक संग्रहालय सवाई माधोपुर द्वारा 3 दिसंबर अर्थात विश्व दिव्यांगता दिवस के उपलक्ष में आयोजित हो रही पोस्टर प्रतियोगिता को लेकर 20 नवंबर से 25 नवंबर के बीच सभी विशेष विद्यालयों में जाकर विशेष बच्चों के बीच पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है इसी कड़ी में आज म्यूजियम की टीम जिला मुख्यालय स्थित मुस्कान आवासीय विशेष विद्यालय पहुंची जहां पर दिव्यांग बच्चों के मध्य पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राजीव गांधी प्राकृतिक संग्रहालय की साइंटिस्ट सी सुष्मिता नामाता ने बताया कि दिव्यांग बच्चों के लिए अलग-अलग ग्रुप में कोलाज पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग एवं फिंगरप्रिंट से संबंधित कई एक्टिविटी कराई जा रही है जो दिव्यांग बच्चे प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय आएंगे उनको 3 दिसंबर को राजीव गांधी प्राकृतिक संग्रहालय में इनाम वितरित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार हर वर्ष 3 दिसंबर को किया जाता है मुस्कान विशेष विद्यालय के डायरेक्टर अरविंद सिंह चौहान ने बताया कि बच्चों में पोस्टर पोस्टिंग प्रतियोगिता के दौरान अलग ही उत्साह नजर आया, सभी बच्चे खासा रोमांचित और प्रसन्नता से पेंटिंग करते दिखे। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के दौरान म्यूजियम के स्टाफ के साथ दिव्यांग बच्चों की मदद के लिए विशेष शिक्षक सर्वेश सिंह, हनुमान गुर्जर, श्याम सुंदर, सुरेंद्र सिंह, अमित मीणा, सुरेंद्र कुमार रेगर, भानु प्रताप सिंह, युवराज सिंह एवं सोना देवी मौजूद रही।

सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाईजर भर्ती में 143 का हुआ चयन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिले के युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाईजर भर्ती शिविर में 143 युवाओं का चयन किया गया है। कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) ने बताया कि सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाईजर भर्ती चयन परीक्षा ग्रामीण एवं शहरी शिक्षित बेरोजगार युवाओं का अजमेर जिले में तहसील स्तर पर भर्ती चयन परीक्षा आयोजन किया जा रहा है। सोमवार 24 नवम्बर को राजकीय आईटीआई ब्यावर में किया गया। इसमें 536 युवाओं ने भाग लिया। मापदंड के आधार पर नीमच से आए भर्त अधिकारी महिपाल सिंह सिनसिनवार ने 143 युवाओं का चयन किया। मंगलवार 25 नवम्बर को राजकीय आईटीआई अजमेर में एवं बुधवार 26 नवम्बर को राजकीय महिला आईटीआई अजमेर में किया जाएगा। वरिष्ठ भर्ती अधिकारी महिपाल सिंह एवं सहायक भर्ती अधिकारी रामेश्वर लाल प्रजापती ने बताया कि शारीरिक मापदंड के अनुसार शिविर आयोजित किए जा रहे है। सम्बन्धित आईटीआई में प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक भर्ती परीक्षा का आयोजन रहेगा। अभ्यार्थी की लम्बाई 168, वजन 56 किलो से 90 किलो तक, उम्र 19 वर्ष से 40 वर्ष तक तथा 80-85 सीना वाले दसवीं उत्तीर्ण, अनुर्तीण एवं ग्रेजुएट भाग ले सकते है। जिले में एवं जिले के बाहर काम करने के इच्छुक चयनित उम्मीदवार को फिजिकल के बाद रजिस्ट्रेशन किया जाएगा।

विजय और जगन्नाथ की फिल्म की शूटिंग हुई पूरी

मुंबई। साउथ एक्टर विजय सेतुपति इन दिनों साउथ निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म में काम कर रहे हैं। सोमवार को फिल्म की शूटिंग खत्म हो गई है। इसी मौके का एक खास वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पुरी और विजय फिल्म के बारे में खास बातें करते नजर आ रहे हैं। विजय काफी समय से निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, जो आज पूरी हो चुकी है। फिल्म के सेट से एक वीडियो पुरी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें फिल्म के आखिरी दिन के शूट को लेकर विजय बेहद उदास नजर आए। इस वीडियो में एक्ट्रेस चार्मी कौर वीडियो कॉल पर नजर आ रही हैं।

लाइफ Style

श्रद्धा

अपनी सादगी से फैंस के दिलों पर राज करने वाली श्रद्धा कपूर जहां इन दिनों पैर में फ्रैक्चर के कारण घर पर आराम फरमा रही हैं, वहीं उन्होंने एक ऐसा खुलासा किया है, जिसके बाद उनके दीवानों की बांछे खिल गई है। उन्होंने कंफर्म किया है कि उनकी अगली फिल्म कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ होगी।

शहीद विजय सालस्कर पर बनाएंगी मूवी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

राहुल मोदी एक राइटर और फिल्ममेकर हैं। श्रद्धा बीते दिनों फिल्म 'ईथा' की शूटिंग के दौरान घायल हो गईं। वह लावणी डांस सीक्वेंस शूट कर रही थीं, जबकि उनका पैर फ्रैक्चर हो गया। एक्ट्रेस ने हेल्थ अपडेट भी दिया है। बताया है कि सेहत में सुधार है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सवाल-जवाब सेशन के दौरान मजाक में कहा कि फ्रैक्चर की वजह से वह 'टर्मिनेटर' की तरह घूम रही हैं। उन्होंने बताया कि 'ईथा' के बाद वह राहुल मोदी की एक फिल्म में दिखेंगी, जो स्टार्टअप्स की दुनिया की कहानी होगी। श्रद्धा ने कहा कि फिल्म में उनका रोल बहुत चैलेंजिंग है। श्रद्धा कपूर ने ये भी बताया कि वह बतौर प्रोड्यूसर सुपर फैट स्टूडियो के साथ दो फिल्में को-प्रोड्यूस करने वाली हैं। इनमें से एक फिल्म जाबांज पुलिस अफसर एक पुलिसवाले विजय सालस्कर की कहानी होगी, जो 26/11 हमलों में शहीद हो गए थे। इसे अखिव अली डायरेक्ट करेंगे। विजय सालस्कर ने दगड़ी चॉल में अरुण गवली के गैंग के कई गुंडों का एनकाउंटर किया था। श्रद्धा कपूर ने एक और खुलासा किया कि उन्होंने एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। उन्होंने कहा, 'मैंने एक फिल्म की शूटिंग पहले ही कर ली है।

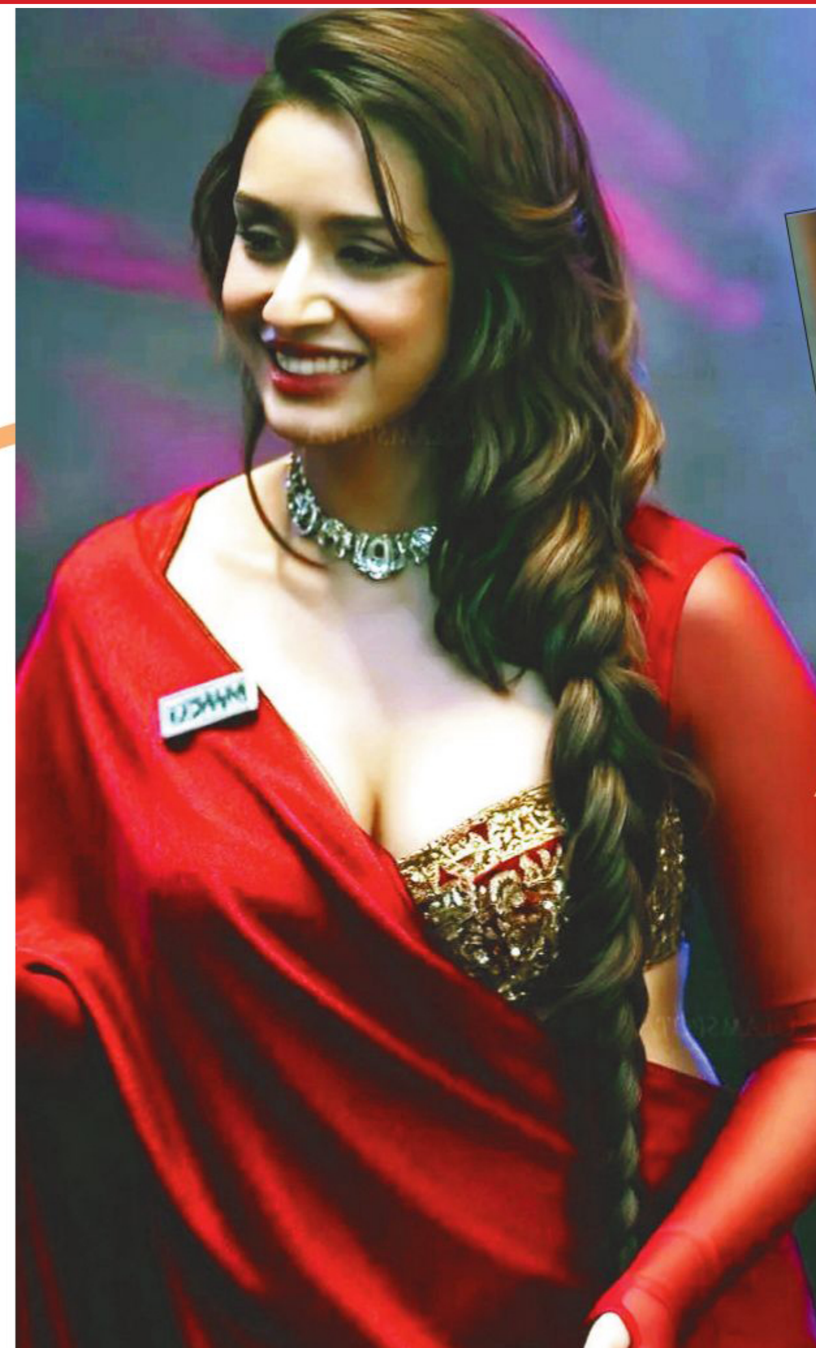

हॉलीवुड मसाला

उदयपुर वेडिंग में दी शानदार प्रस्तुति

मुंबई। उदयपुर में नेत्रा मंटेना और वाम्सी गडिराजू की भव्य शादी सुर्खियों में रही। इस शादी में हॉलीवुड की जानी-मानी गायिक जेनिफर लोपेज भी पहुंचीं। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियोज वायरल हो रहे हैं, जिसमें जेनिफर स्टेज पर शानदार प्रस्तुति दे रही हैं। वो अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती नजर आ रही हैं। हॉलीवुड डीवा ने रोज-गोल्ड टोन की साड़ी पहनी, जिस पर सीक्विन वर्क की महीन ग्रिड डिजाइन उसे शाही चमक दे रही थी। इसे ऐसे ड्रेप किया गया कि साड़ी और गाउन का मेल एकदम परफेक्ट मॉडर्न-इंडियन फ्यूजन जैसा लगे।

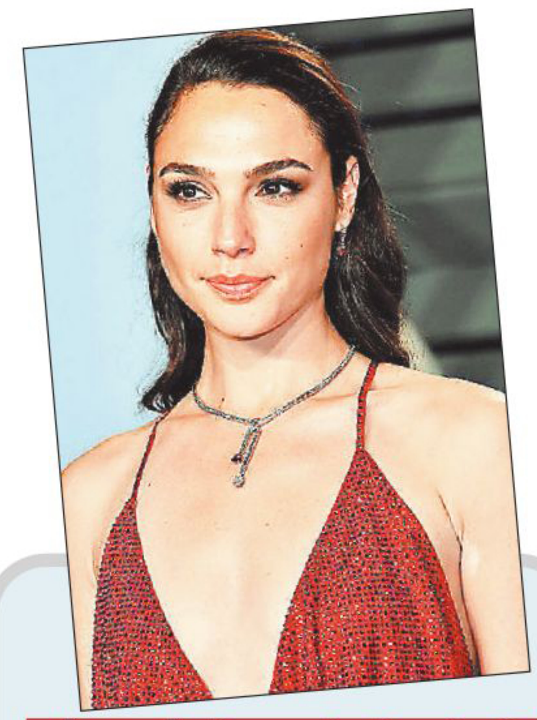

गैल गैडोट को प्रेग्नेंसी में हुआ था ब्रेन क्लॉट...

लॉस एंजिल्स। 'वंडर वुमन' स्टार गैल गैडोट ने पिछले साल हुए अपने हेल्थ इश्यू को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि कैसे उनके सिर में दर्द रहने लगा। उनकी मां ने उन्हें एमआरआई करवाने के लिए कहा। जब डॉक्टर ने उन्हें बताया कि उनके दिमाग में थक्का जम गया है तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। ये सोचने लगीं कि क्या वो जिंदा बच पाएंगी। वो तब 8 महीने की प्रेग्नेंट थीं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'उस पल से मैं कुछ भी समझ नहीं पा रही थी। अंग्रेजी तो मानो खिड़की से बाहर हो गई थी। मेरे पति अलग-अलग डॉक्टरों से बात कर रहे थे और मैं बस यही सोच रही थी कि क्या मैं मर जाऊंगी? क्या मरने से पहले ऐसा ही महसूस होता है? क्या वे मुझे बचा पाएंगे?... क्या बच्चा ठीक रहेगा?' गैल गैडोट ने याद करते हुए बताया कि उन्हें सेरेब्रल वेनस थ्रोम्बोसिस (सीवीटी) का पता चला था।

120 बहादुर में दिखाया अभिनय का कमाल

जयपुर। भारत-चीन युद्ध पर आधारित बहुप्रतीक्षित फिल्म '120 बहादुर' में जयपुर की अभिनेत्री लक्ष्मी सुराणा ने मेजर शैतान सिंह भाटी की मां का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया है। थिएटर से अपने सफ़र की शुरुआत करने वाली लक्ष्मी ने बॉलीवुड में कम समय में वेब सीरीज, फिल्मों और विज्ञापनों में अपनी पहचान बनाई. राजस्थानी लोकनृत्य, विशेष रूप से कालबेलिया में महारथ रखने वाली लक्ष्मी सुराणा का कहना है कि यह फिल्म 120 अमर वीरों की आवाज़ है और इसमें काम करना उनके लिए गर्व की बात रही। इस फिल्म में फरहान अख्तर द्वारा निभाए गए मेजर शैतान सिंह भाटी की मां का किरदार जयपुर की अभिनेत्री लक्ष्मी सुराणा ने निभाया है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

धनुष-मृणाल में चल रही इश्क की गुटर-गु

मुंबई। ऐश्वर्या रजनीकांत से अलगाव के तीन साल बाद धनुष और मृणाल ठाकुर के बीच इश्क की अफवाहों ने एक बार फिर जोर पकड़ा है। धनुष और ऐश्वर्या ने साल 2022 में अलग होने की घोषणा की थी, जबकि बीते साल 2024 में दोनों ने कानूनी रूप से तलाक ले लिया। इसी बीच धनुष का नाम साउथ और बॉलीवुड फिल्मों की हसीना मृणाल ठाकुर से जुड़ने लगा। अब एक बार फिर दोनों के बीच इश्क के गुटर गु की चर्चा है। माजरा फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की नई रोमांटिक ड्रामा 'दो दीवाने सहर में' से जुड़ा है, जिसमें मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में हैं। बीते 21 नवंबर को मेकर्स ने 'दो दीवाने सहर में' की आधिकारिक घोषणा करते हुए फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज किया। सोशल मीडिया पर कई सेलेब्स ने इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी।

टीवी मसाला

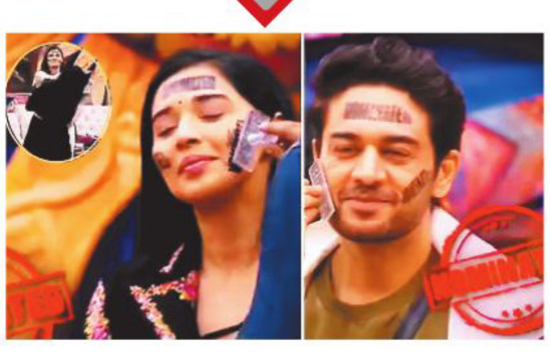

बिग बॉस 19 में फिनाले से पहले नॉमिनेशन टास्क में बवाल...

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 अब अपने उस जर्नी पर है जहां कंटेस्टेंट्स के आपसी लड़ाई-झगड़े खत्म हो जाते हैं और उनके बीच एक अलग बॉन्डिंग दिखने लगती है। न कॉफी, चिकन और खाना बनाने की लड़ाई बचती है और न ही काम के बंटवारे को लेकर किसी तरह की नोंकझोंक। ऐसा लगने लगता है जैसे अब सब भारी मन से इस खेल के फाइनल होने का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन नहीं, यहां भी 'बिग बॉस 19' के कंटेस्टेंट्स को चैन नहीं है। दरअसल, हुआ यूं कि फिनाले से पहले 'बिग बॉस' ने नॉमिनेशन टास्क करवाया और इसी बीच कुछ ऐसा हुआ कि मालती चाहर ने तान्या मित्तल को थप्पड़ लगा दिया। इस शो का फिनाले 7 दिसंबर को होने जा रहा है और अब घर में केवल 8 सदस्य बचे हुए हैं। इन 8 सदस्यों में से भी कुछ को बाहर होना है और इसके लिए 'बिग बॉस' ने नॉमिनेशन टास्क रखा। यानी घरवालों के ये वोट डिसाइड करेंगे कि अब कौन सा सदस्य होगा जिन्हें घर से बाहर निकलना होगा। इस शो के नए प्रोमो में नॉमिनेशन टास्क को देखकर फिर से ऐसा लग रहा है कि शो में एक बार फिर से मिड वीक एविक्शन होनेवाला है। इस टास्क में सभी घरवालों को कंटेस्टेंट्स को नॉमिनेट करने का मौका दिया गया। सबने अपनी-अपनी वजह गिनाते हुए एक-दूसरे को नॉमिनेट भी किया। वहीं, तान्या ने कुछ ऐसा किया कि मालती चाहर ने गुस्से में उनपर हाथ ही उठा दिया। दरअसल, इस नॉमिनेशन टास्क में 'बिग बॉस' ने कहा कि घरवाले जिन्हें नॉमिनेट करना चाहते हैं वो उनके चेहरे पर स्टैम्प लगा दें।

अश्लेषा और संदीप ने की शादी

नई दिल्ली। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के सेट पर मिलने वाले कपल अश्लेषा सावंत और संदीप बसवाना ने शादी कर ली है। दोनों पिछले 23 साल से लिव-इन रिलेशनशिप में थे और आखिरकार उन्होंने शादी कर ली है। वेडिंग फोटोज शेयर करते हुए उन्होंने नोट भी लिखा है। संदीप ने बताया, 'अश्लेषा और मैं अप्रैल में वृंदावन गए थे और वहां के राधा-कृष्ण मंदिरों से गहरा जुड़ाव महसूस किया।' उन्होंने आगे कहा, 'उस यात्रा ने हमें 23 साल साथ रहने के बाद शादी करने के लिए प्रेरित किया। हमारे माता-पिता सबसे ज्यादा खुश हैं—वे लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे थे। हम इसे सादगी से करना चाहते थे और भगवान कृष्ण के मंदिर में शादी करने से बेहतर और क्या हो सकता था।' दोनों ने शादी की खूबसूरत फोटोज शेयर करते हुए लिखा, 'और बस इसी तरह, मिस्टर और मिसेज के रूप में हमने एक नए अध्याय में कदम रखा... परंपरा ने हमारे दिलों में जगह बना ली।

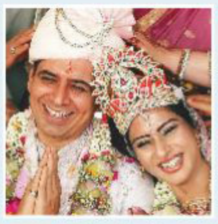

एक्टिंग छोड़ बौद्ध भिक्षु बनी थी ये एक्ट्रेस ...

नई दिल्ली। 90 के दशक में फिल्म इंडस्ट्री में नाम कमाना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन बरखा मदान को यह शोहरत और पहचान बहुत पहले ही मिल गई, जिन्हें अब ग्याल्टेन समतेन के नाम से जाना जाता है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने से पहले, बरखा मदान ने कई सालों तक एक मॉडल के तौर पर काम किया। वह 1994 में फेमिना मिस इंडिया पेजेंट में हिस्सा लेने वालों में से एक थीं। सुष्मिता विनर बनीं, ऐश्वर्या फर्स्ट रनर-अप रहीं और बरखा को मिस इंडिया टूरिज्म चुना गया। मॉडलिंग इंडस्ट्री में पहचान बनाने के बाद बरखा ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आने का फैसला किया और डायरेक्टर उमेश मेहरा ने उन्हें अपनी फिल्म खिलाड़ियों का खिलाड़ी में एक्टिंग डेब्यू कराया। कुछ फिल्मों में नजर आने के बाद 2012 में, बरखा मदान ने अनाउंस किया कि उन्होंने एक्टिंग छोड़ दी है और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी है। यह सबके लिए एक बड़ा शॉक था, क्योंकि कहा जाता है कि उन्हें अपनी जबरदस्त एक्टिंग रेंज की वजह से कई फिल्म प्रोजेक्ट्स मिल रहे थे। लामा जोपा रिनपोछे की देखरेख में बरखा बौद्ध भिक्षु बन गईं और अपना नाम बदलकर वेन. ग्याल्टेन समतेन रख लिया।

इस सप्ताह ओटीटी पर आने वाली हैं ये कमाल की फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। सिनेमाघरों में जाकर फिल्में देखने का शौक अपने आप में खास है और यह जारी है। मगर, इससे इतर ओटीटी एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन गया है। थिएटर में जो लोग किन्हीं कारणों से फिल्में देखने नहीं जाते, उन्हें पसंदीदा फिल्मों की ओटीटी रिलीज का इंतजार होता है। वहीं, वेब सीरीज तो खैर ओटीटी पर रिलीज ही होती हैं। इस सप्ताह भी पिटारे में काफी कुछ खास है।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी : वरुण धवन और जान्हवी कपूर अभिनीत यह फिल्म इस साल अक्टूबर में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब फिल्म ओटीटी दर्शकों के लिए आ रही है। यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। यह फिल्म 27 नवंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। फिल्म का निर्देशन शशांक खैतान ने किया है।

कांतारा चैप्टर 1 : ऋषभ शेट्टी अभिनीत यह फिल्म भी अक्टूबर में रिलीज हुई थी। सिनेमाघरों में धमाल करने के बाद यह ब्लॉकबस्टर फिल्म अब ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। हालांकि, फिल्म का दक्षिण भारतीय संस्करण (तमिल, कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम) पहले ही ओटीटी पर दस्तक दे चुका है। अब हिंदी दर्शकों के लिए भी यह फिल्म आ रही है। हिंदी में यह फिल्म 27 नवंबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

रक्तबीज 2 : फिल्म 'रक्तबीज 2' भी इस सप्ताह की ओटीटी लिस्ट में शामिल है। यह फिल्म सितंबर में रिलीज हुई थी। अब नवंबर के आखिरी वीक में इसकी डिजिटल रिलीज हो रही है। फिल्म की कहानी एक आतंकवाद-रोधी दस्ते पर आधारित है, जो नेता मुनीर आलम को रोकने की कोशिश कर रहा है, ताकि भारत और बांग्लादेश के बीच अराजकता फैलाने की उसकी योजना को असफल किया जा सके। यह फिल्म साल 2023 में आई 'रक्तबीज' का सीक्वल है। 28 नवंबर से यह फिल्म जी5 पर देखी जा सकेगी।

आर्यन : यह तमिल भाषा की क्राइम थ्रिलर फिल्म है। इसमें विष्णु विश्वाल, श्रद्धा श्रीनाथ, मानसा चौधरी और सेल्वराघवन हैं। एम. घिबरण के निर्देशन में बनी इस फिल्म की स्ट्रीमिंग 28 नवंबर से नेटफ्लिक्स पर होगी।

द पेट डिटेक्टिव : यह एक मलयालम भाषा की एक्शन-कॉमेडी थ्रिलर फिल्म है। एक क्विर्की डिटेक्टिव पेट्स से जुड़े रहस्य को सुलझाती है। यह फिल्म हास्य, सस्पेंस और दिल को छू लेने वाले कुछ लम्हों से लबरेज है। ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर यह फिल्म 28 नवंबर को रिलीज हो रही है।

रैगई : यह एक क्राइम ड्रामा सीरीज है। सात एपिसोड की सीरीज के पहले एपिसोड में सब-इंस्पेक्टर वेट्री को एक चौंकाने वाली बात पता चलती है। कॉन्स्टेबल संथिया एक आइस-कार्ट बेचने वाले की रहस्यमयी मौत की जांच कर रही होती है। उसी दौरान पिघलती बर्फ के नीचे से एक कटा हुआ हाथ मिलता है। यही घटना आगे की पूरी जांच को नए और डरावने मोड़ पर ले जाती है।

हर कहानी में थ्रिल की भरमार, झन्नाटेदार हैं सबके क्लाइमैक्स

दिमाग को तार-तार कर देंगी ये 7 साइकोलॉजिकल फिल्में

***नई दिल्ली।** इन दिनों ओटीटी पर अलग-अलग जॉनर की अनगिनत फिल्में मौजूद हैं, लेकिन कई बार समझ नहीं आता कि कौन-सी देखी जाए। अगर आप थ्रिलर फिल्में देखना पसंद करते हैं, हम आपको 7 मूवी बताते हैं, जिनकी कहानियां और क्लाइमैक्स आपके होश उड़ देंगे। इस लिस्ट में साउथ सुपरस्टार मोहनलाल की 'दृश्यम' से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन की 'कहानी' तक शामिल हैं।*

नो स्मोकिंग : जॉन अब्राहम की यह फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है, जिसे स्मोक करने की लत है। इस वजह से उसकी पत्नी उसे छोड़ देती है, जिसके बाद वह एक रिहैब केंद्र में जाता है और फिर चीजें अजीब और डरावनी हो जाती हैं। साल 2007 में रिलीज हुई इस मूवी को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

गजनी : इसमें आमिर खान ने लीड रोल निभाया है। इसकी कहानी संजय सिंघानिया नाम के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो हर 15 मिनट में अपनी याददाश्त खो देता है। वह अपनी प्रेमिका की मौत का बदला लेने के लिए पूरे शरीर में दुश्मनों के नाम और उनके नंबर गुदवा लेता है। यह फिल्म अमेज प्राइम वीडियो पर मौजूद है।

कहानी : साल 2012 में रिलीज हुई यह फिल्म एक गर्भवती महिला की कहानी है, जो लंदन से कोलकाता अपने गुमशुदा पति की तलाश में आती है। लेकिन क्लाइमैक्स में ऐसा चौंकाने वाला खुलासा होता है कि होश उड़ जाते हैं। विद्या बालन की यह नेटफ्लिक्स पर अवेलेबल है।

तलाश : आमिर खान ने इस मूवी में इंस्पेक्टर सुर्जन सिंह शेखावत का किरदार निभाया है, जो एक कार दुर्घटना की जांच करता है। इस घटना में एक एक्टर की जान चली जाती है। इस बीच उसकी एक मिस्ट्री गर्ल से मुलाकात होती है, जो पूरी कहानी पलट देती है।

तलवार : यह फिल्म नोएडा डबल मर्डर केस पर आधारित है। इसमें एक वरिष्ठ अधिकारी कई जांचकर्ताओं के बीच सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करता है कि आखिर किसने किशोरी और घरेलू नौकर की हत्या की है। इसे अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

लूसिया : साल 2013 में रिलीज हुई यह मूवी निक्की नाम के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे अनिद्रा की समस्या है। वह लूसिया नाम की एक रहस्यमयी गोली लेता है। इसके बाद वह सपनों में जीने लगता है और हकीकत खतरनाक रूप से धुंधली होने लगती है।

इटली ने लगातार तीसरी बार जीता डेविस कप, स्पेन को हराकर बादशाहत रखी बरकरार

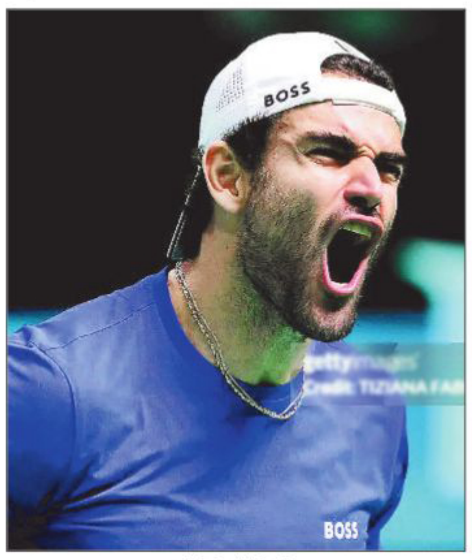

मैटियो बेरेटिनी

एजेंसी ▶▶| बोलोग्ना

इटली ने यानिक सिनर की अनुपस्थिति के बावजूद स्पेन को हराकर लगातार तीसरी बार डेविस कप का खिताब जीता और इस तरह से इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में अपनी बादशाहत बरकरार रखी। सिनर की अनुपस्थिति में मैटियो बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली इटली के लिए स्टार रहे।

इन दोनों ने अपने एकल मैच जीतकर इटली को फाइनल में स्पेन पर 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई। यह इटली का लगातार तीसरा और कुल चौथा डेविस कप खिताब है। लगातार तीन खिताब जीतने वाला आखिरी देश अमेरिका था, जिसने 1968 से 1972 तक लगातार पांच खिताब जीते थे।

- सिनर की अनुपस्थिति में बेरेटिनी और कोबोली रहे स्टार
- इटली ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया और सेमीफाइनल में बेल्जियम को हराया था

सिनर ने नहीं लिया स्पर्धा में भाग

पिछले दो वर्षों में इटली को डेविस कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने अगले सत्र की तैयारी के लिए इस बार डेविस कप में भाग नहीं लिया। यही नहीं इटली के विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी भी नहीं खेल रहे थे। इटली को उनकी जरूरत नहीं पड़ी। उसने इस सप्ताह बोलोग्ना के सुपरटेनिस एरेना में अपने तीनों मैच 2-0 से जीते।

इटली ने पहली बार 1976 में जीता था डेविस कप

इटली ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया तथा सेमीफाइनल में बेल्जियम को हराया। स्पेन भी अपने स्टार खिलाड़ी और विश्व में शीर्ष रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज के बिना खेल रहा था। फाइनल में बेरेटिनी ने पाब्लो कैरेनो बुस्टा को 6-3, 6-4 से हराया। उसके बाद कोबोली ने जौम मुनार को 1-6, 7-6 (5), 7-5 से हराकर इटली की जीत सुनिश्चित की। इटली ने पहली बार 1976 में डेविस कप जीता था। उसके बाद उसने 2023 और 2024 में मलागा में खिताब जीता था। यह पहली बार है जब उसने अपनी धरती पर जीत हासिल की है। छह बार का चैंपियन स्पेन 2019 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में खेल रहा था।

डेविस कप की मेजबानी के इच्छुक दिल्ली, कर्नाटक

नई दिल्ली। भारत अगले साल फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप क्वालीफायर की मेजबानी करेगा और यह मुकाबला हार्डकोर्ट पर ही होने की संभावना है क्योंकि दिल्ली और कर्नाटक दोनों ने मैचों की मेजबानी की इच्छा जताई है। भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप वन में स्विटजरलैंड को 3-1 से हराकर क्वालीफायर में प्रवेश किया। वहीं डच टीम को क्वालीफायर के दूसरे दौर में अर्जेंटीना ने इसी अंतर से मात दी। क्वालीफायर का पहला दौर छह या सात फरवरी या सात और आठ फरवरी को होगा। ड्रॉ रविवार की शाम को निकाले गए। पिछली बार दोनों टीमों का सामना 2003 में हुआ था जब नीदरलैंड ने भारत को 5- 0 से मात दी थी।

खबर संक्षेप

पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को हराया, तारिक ने लगाई हैट्रिक

रावलपिंडी। रहस्यमयी स्पिनर उस्मान तारिक की हैट्रिक की बदौलत पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 69 रन से हराकर टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में प्रवेश कर लिया। तारिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 रन देकर चार विकेट लिए, जिससे जिम्बाब्वे 19 ओवर में 126 रन पर आउट हो गया। पाकिस्तान की यह टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत है। टूर्नामेंट की तीसरी टीम श्रीलंका है। जिम्बाब्वे के लिए रयान बर्ल ने 49 गेंदों पर नाबाद 67 रन बनाए। उन्होंने रिचर्ड नगारवा (05) के साथ आखिरी विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की। इससे पहले बाबर आजम (74) और साहिबजादा फरहान (63) के अर्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान ने 20 ओवरों में पांच विकेट पर 195 रन बनाए। फखर जमां ने आखिरी क्षणों में 10 गेंदों पर नाबाद 27 रन की पारी खेली।

प्रो टी20 लीग खेलेंगे हरभजन और स्टेन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन और हरभजन सिंह तथा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन और ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर शेन वाटसन 26 जनवरी से 4 फरवरी तक गोवा में होने वाली लीजेंड्स प्रो टी20 लीग में आकर्षण का केंद्र होंगे। आयोजकों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को लीग आयुक्त नियुक्त किया गया है। इस लीग में छह फ्रेंचाइजी आधारित टीम और 90 दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिताओं के मुकाबलों का आयोजन 1919 स्पोर्ट्ज क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा।

हेजलवुड ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर, कमिंस की वापसी!

पर्थ। ब्रिस्बेन में होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट मैच से बाहर रहेंगे, जो गुलाबी गेंद से खेला जाएगा, लेकिन टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह सीरीज़ में आगे चलकर अहम भूमिका निभा सकते हैं, जबकि कप्तान पैट कमिंस अगले हफ़्ते गाबा में वापसी कर सकते हैं। दूसरा टेस्ट 29 दिसंबर से शुरू होगा। हेजलवुड शेफ़ील्ड शील्ड के दौरान हुई हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण पर्थ के पहले मैच से बाहर हो गए थे। वह अपना रिहैब जारी रखने के लिए ब्रिस्बेन में टीम से जुड़ेंगे और मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड को उम्मीद है कि वह सीरीज के अंत में उपलब्ध रहेंगे। मैकडॉनल्ड ने कहा कि वह (हेजलवुड) अपने रिहैब के पहले हफ़्ते में काम कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि हमें इस बारे में कोई अपडेट देने की जरूरत है। एक बार जब वह आगे बढ़ेंगे और हमारे पास कुछ अनुमानित समय-सीमाएं होंगी।

गुवाहाटी टेस्ट : भारतीय बल्लेबाजों का गैर जिम्मेदाराना रवैया, पहली पारी 201 रन पर सिमटी

भारत को क्लीन स्वीप का खतरा, यानसन का कहर, दक्षिण अफ्रीका के पास 314 रन की लीड

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

कप्तान ऋषभ पंत सहित प्रमुख बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैए से अपने विकेट इनाम में देने के कारण भारतीय टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में मजबूत शिकंजा कसकर श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अपनी पहली पारी में 489 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बढ़त हासिल की।

उसने भारत को फॉलोऑन देने की बजाय दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना उचित समझा। उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 26 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 314 रन की हो गई है। खराब रोशनी के कारण जब तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब एडेन मार्क्रम 12 और रयान रिकलेटन 13 रन पर खेल रहे थे।

10 साल बाद हुआ बड़ा कारनामा

मार्को यानसन 19.5 ओवर में 48 रन देकर भारत के 6 बल्लेबाजों का शिकार किया। इसके साथ ही यानसन ने भारतीय सरजमीं पर बड़ा कारनामा कर दिखाया। यानसन भारत की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में 5 या उससे ज्यादा विकेट चटकाने वाले महज चौथे साउथ अफ्रीकी तेज गेंदबाज बन गए हैं। यही नहीं, 10 साल बाद भारत में कोई साउथ अफ्रीकी तेज गेंदबाज 5 विकेट टेस्ट में हासिल करने में कामयाब हुआ है। इससे पहले लांस क्लूसनर (1996), डेल स्टेन (2008, 2010) और काइल एबॉट (2015) ने यह बड़ा कारनामा किया था।

सुंदर -कुलदीप ने जोड़े 8वें विकेट के लिए 72 रन

भारतीय बल्लेबाजों को अपने निचले क्रम के बल्लेबाज वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 48 रन) और कुलदीप यादव (134 गेंद पर 19 रन) से सीख लेनी चाहिए, जिन्होंने सात विकेट 122 रन पर गिरने के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रन जोड़े। उनकी साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी सिमटने में देर नहीं लगी। यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन) ने स्ट्रोक्स से भरपूर अर्धशतक जड़ा, लेकिन हार्मर की एक गेंद ने अचानक उछाल लिया, जिस पर वह गच्चा खा गए और यानसन को कैच दे बैठे। केएल राहुल (22) आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वह भी जायसवाल के साथ 65 रन की साझेदारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन केशव महाराज और हार्मर की दो गेंद ऐसी थी, जिसने सुबह के सत्र का रुख पूरी तरह बदल दिया।

जायसवाल खास क्लब में शामिल

जायसवाल सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे ऐसे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने 24 साल की उम्र से पहले सबसे ज्यादा 50 से ज़्यादा स्कोर बनाए हैं और 21वीं सदी में ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में सिर्फ छह खिलाड़ियों ने यह अनोखी कामयाबी हासिल की है, जिसमें एलिस्टर कुक और केन विलियमसन ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने जनरेशन बदलने के बाद से ऐसा किया है। सचिन तेंदुलकर ने अपने 24वें तक जन्मदिन तक 1989 से 1997 के बीच 29 बार टेस्ट में 50 प्लस का स्कोर किया था।

यानसन ने 48 रन देकर लिए 6 विकेट

दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को यानसन सबसे सफल गेंदबाज रहे। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में 93 रन बनाने वाले इस तेज गेंदबाज ने 48 रन देकर 6 विकेट लिए। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा फायदा उठाकर भारतीय बल्लेबाजों को अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर (64 रन देकर तीन विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया। मार्क्रम ने पांच कैच लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी: 489

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का यानसेन बो हार्मर	58	97	7	1
राहुल का मारक्रम बो महाराज	22	63	2	0
सुदर्शन का रिकेलटन बो हार्मर	15	40	2	0
जुरेल का महाराज बो यानसेन	00	11	0	0
पंत का वेरेन बो यानसेन	07	8	0	1
जडेजा का मारक्रम बो यानसेन	06	18	0	0
रेड्डी का मारक्रम बो यानसेन	10	18	1	0
सुंदर का मारक्रम बो हार्मर	48	92	2	1
यादव का मारक्रम बो यानसेन	19	134	3	0
बुमराह का वेरेन बो यानसेन	05	25	1	0
सिराज नाबाद	02	6	0	0

अतिरिक्त: 09, कुल : 83.5 ओवर में 201/10 रन
गेंदबाजी : यानसेन 19.5-5-48-6, मुल्डर 10-5-14-0, महाराज 15-1-39-1, हार्मर 27-6-64-3, मारक्रम 10-1-26-0, मुथुसामी 2-0-2-0

दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
रेयान रिकेल्टन नाबाद	13	25	1	0
मारक्रम नाबाद	12	23	2	0

अतिरिक्त: 01, कुल : आठ ओवर में 26 रन
गेंदबाजी: बुमराह 3-0-13-0, सिराज 3-1-8-0, जडेजा 1-0-2-0, कुलदीप 1-0-2-0.

बधिर ओलंपिक

प्रांजलि का शानदार प्रदर्शन, जीता दूसरा गोल्ड मेडल, टॉप-5 में भारत

टोकियो। भारतीय निशानेबाज प्रांजलि प्रशांत धूमल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जो डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक जीता था। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में यूक्रेन की मोसिना हालिना ने रजत और कोरिया की जियोन जिवोन ने कांस्य पदक जीता। भारत की एक अन्य खिलाड़ी और महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनुया प्रसाद चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने 600 में से 573 अंक के नए क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। उन्होंने पिछले वर्ष जर्मनी में विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप में बनाए गए अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। अनुया प्रसाद क्वालीफिकेशन में 569 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

भारतीय निशानेबाजों ने जीते प्रतियोगिता में 16 पदक

प्रांजलि ने फाइनल में 34 अंक बनाए, जो मोसिना से दो अंक ज़्यादा थे, जिन्होंने रजत पदक जीता। जियोन ने 30 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। उन्होंने शूटआउट में भारत की अनुया प्रसाद को हराया। रविवार को अभिनव देशवाल ने पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था जो बधिर ओलंपिक की निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारत का 15वां पदक था। भारतीय निशानेबाजों ने बधिर ओलंपिक में अब तक सात स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य सहित 16 पदक जीते हैं। निशानेबाजी स्पर्धाओं का समापन मंगलवार को पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के साथ होगा।

टेनिस

17 से डब्ल्यूटीएल, एक टीम में मेदवेदेव और बोपन्ना

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव और अनुभवी भारतीय रोहन बोपन्ना 17 से 20 दिसंबर तक होने वाली विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के लिए एक ही टीम में खेलेंगे जबकि सुमित नागल उस टीम का हिस्सा हैं, जिसमें दुनिया के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी गेल मोनफिल्स शामिल हैं।

निक किर्गियोस और कनाडा के स्टार डेनिस शापोवालोव भी चार टीम की इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र होंगे। एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होने वाले 2025 सत्र में चार टीम में 16 अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। यह टूर्नामेंट तीन सत्र के बाद पहली बार यूएई के बाहर आयोजित हो रहा है। पिछले महीने अल्माटी ओपन का खिताब जीतने वाले दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव मौजूदा चैंपियन गेम चेंजर्स फाल्कन्स के लिए खेलेंगे। टीम में उनके साथ दिग्गज युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और अन्य खिलाड़ी भी होंगे।

टीमें इस प्रकार

गेम चेंजर्स फाल्कन्स : डेनियल मेदवेदेव, रोहन बोपन्ना, मैग्डा लिनेट और सहजा यमलापल्ली।
वीबी रियल्टी हॉक्स : डेनिस शापोवालोव, युकी भांबरी, एलिना स्वितोलिना और माया रेवती।
ऑसी मैवरिक्स काइट्स : निक किर्गियोस, दक्षिणेश्वर सुरेश, मार्टा कोस्त्युक और अंकिता रैना।
एओएस ईगल्स : गेल मोनफिल्स, सुमित नागल, पाउला बडोसा और श्रीवल्ली भामिदिपति।

टीम को मेदवेदेव के कोर्ट पर दबदबे का फायदा

गेम चेंजर्स फाल्कन्स के अमनदीप सिंह ने कहा, 'टीम को मेदवेदेव के कोर्ट पर दबदबे और बोपन्ना की युगल में विशेषज्ञता का फायदा मिलेगा। मैग्डा और सहजा के आने से टीम में गहराई और विविधता आएगी, जिससे हम आगे एक रोमांचक सत्र की उम्मीद कर रहे हैं।' शापोवालोव पदार्पण कर रहे वीबी रियल्टी हॉक्स की अगुआई करेंगे, जिसमें भारत के युकी भांबरी भी शामिल हैं। विंबलडन 2022 के फाइनल में जगह बनाने वाले किर्गियोस ऑसी मैवरिक्स काइट्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। मोनफिल्स और नागल को एओएस ईगल्स टीम में जगह मिली है।

विलियमसन की न्यूजीलैंड टीम में वापसी, वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेंगे टेस्ट

वेलिंगटन। केन विलियमसन को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। विलियमसन जिम्बाब्वे में न्यूजीलैंड की पिछली टेस्ट श्रृंखला और इस सत्र में अब तक सीमित ओवरों के अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे। विलियमसन का न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ सीमित अनुबंध है, जो उन्हें विदेशी लीगों में खेलने की अनुमति देता है, जबकि वे उपलब्ध होने पर न्यूजीलैंड के लिए भी खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'मैदान पर केन की क्षमता से सभी अच्छी तरह से अवगत हैं। उनकी वापसी से हमारी टेस्ट टीम को मजबूती मिलेगी।' तेज गेंदबाज जैक फॉल्क्स, जैकब डफी और ब्लेयर टिकनर को भी टीम में चुना गया है। फॉल्क्स ने अगस्त में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में नौ विकेट लिए थे। टिकनर ने न्यूजीलैंड के लिए आखिरी टेस्ट मैच 2023 में खेला था। डेरिल मिशेल भी टीम में वापसी कर रहे हैं, जो वेस्ट इंडीज के खिलाफ न्यूजीलैंड की हालिया एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान लगी कमर की चोट से उबर चुके हैं।

निखिल चौधरी ने ऑस्ट्रेलिया में रचा इतिहास शील्ड में सेंचुरी जड़ने वाले बने पहले भारतीय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में व्यस्त है, वहीं एक भारतीय क्रिकेटर ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिता शेफील्ड शील्ड में अपने बल्ले से धमाल मचा रहा है। पंजाब की ओर से लिस्ट-ए क्रिकेट खेल चुके निखिल चौधरी ने इतिहास रचते हुए इस सदी में शेफील्ड शील्ड में शतक लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया है।

163 रनों की धमाकेदार पारी

निखिल चौधरी ने न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ तस्मानिया की ओर से खेलते हुए 163 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी की बदौलत तस्मानिया ने तीसरे दिन देर शाम 8/623 पर घोषित करते हुए 232 रनों की विशाल बढ़त हासिल की। इससे पहले केलिब ज्वेल ने 102 रन बनाए थे, जबकि 24 नवंबर को टिम वॉर्ड और चौधरी दोनों ने शतक जड़े और टीम का स्कोर शील्ड इतिहास के अपने दूसरे सबसे बड़े टोटल तक पहुंचा दिया।

दिल्ली से ऑस्ट्रेलिया तक का सफर

29 साल के चौधरी 2020 में ऑस्ट्रेलिया आए और कोविड-19 महामारी के कारण वहीं फंस गए। बाद में वे ऑस्ट्रेलिया के स्थायी निवासी बने, हालांकि भारतीय नागरिकता उनकी अभी भी बरकरार है। क्वींसलैंड की क्लब क्रिकेट में उनके प्रदर्शन ने तस्मानिया के असिस्टेंट कोच जेम्स होप्स का ध्यान खींचा, जिनकी सिफारिश पर उन्हें बीबीएल में मौका मिला। पिछले सीजन वे तस्मानिया शिफ्ट हो गए और इस साल उन्हें लिस्ट-ए और फर्स्ट-क्लास दोनों में मौके मिल रहे हैं।

आज से शुरू सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट

श्रीकांत और प्रणय को करना होगा कड़ी चुनौती का सामना

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

सीनियर बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत और एचएस प्रणय इस सत्र का अंत जीत के साथ करना चाहेंगे लेकिन उन्हें मंगलवार 25 नवंबर से शुरू हो रहे सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा, जो शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार हैं।

इस 240,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता की चमक भी कुछ कम हो गई है, क्योंकि अमेरिकी ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने के बाद अंतिम समय में इस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया। पूर्व चैंपियन श्रीकांत को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता बनकर नई ऊर्जा मिली थी, लेकिन वह उस लय को बरकरार नहीं रख पाए। अब घरेलू धरती पर होने वाले टूर्नामेंट से उन्हें साल का अंत सकारात्मक तरीके से करने का एक और मौका मिलेगा।

प्रणय जीत हासिल करने के लिए बेताब

प्रणय भी जीत हासिल करने के लिए बेताब हैं। उन्होंने हाल में जापान मास्टर्स और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था लेकिन वहां अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। वह अब घरेलू दर्शकों के सामने अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांचवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत का पहला मुकाबला मीराबा लुवांग मैस्नाम से जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त प्रणय का सामना पहले दौर में कविन थंगम से होगा। सभी की निगाहें छठे वरीय थारुण मन्नेपल्ली पर भी होंगी, जो सतीश कुमार करुणाकरण से भिड़ेंगे, जबकि एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम भी मनराज सिंह के खिलाफ अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे।

ओकुहारा होगी स्पर्धा में शामिल

महिला एकल वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन जापान की नोजोमी ओकुहारा इस प्रतियोगिता का आकर्षण होगी। भारतीय टीम में शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा शामिल हैं, जो अपने पहले मैच में आकर्षि कश्यप से भिड़ेंगी। तस्नीम मीर का सामना अदिति भट्ट से होगा और अनमोल खरब अपने पहले मैच में जापान की पांचवीं वरीयता प्राप्त हिना अकेची से भिड़ेंगी। विश्व जूनियर रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा का मुकाबला अश्मिता चालिहा से होगा। इसके अलावा महिला एकल में आठवीं वरीयता प्राप्त अनुपमा उपाध्याय, तान्या हेमंत, इशरानी बरुआ, मानसी सिंह, श्रियांशी वलीशेट्टी, देविका सिहाग, रक्षिता श्री संतोष रामराज और श्रेया लेले भी अपनी चुनौती पेश करेंगी।

खबर संक्षेप

पेशावर में धमाका, 3 जवानों की मौत

कराची। पाकिस्तान के पेशावर में एक बड़ा धमाका हुआ है। यह धमाका पाकिस्तानी सेना के ठिकाने के पास हुआ, जिसे आत्मघाती हमलावर के जरिये अंजाम दिया गया. एक सुसाइड बॉम्बर ने गेट पर खुद को उड़ा लिया, जिसके बाद फायरिंग की आवाजें भी सुनी गई हैं. फिलहाल इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है। पाकिस्तान में आतंकी हमलों की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, हमले की की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है लेकिन हमले में 3 जवानों और 2 हमलावरों की मौत हुई है।

यूके के पूर्व पीएम डेविड हुए प्रोस्टेट कैंसर के शिकार

नई दिल्ली। यूनाइटेड किंगडम (यूके) के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन प्रोस्टेट कैंसर का शिकार हो गए हैं और उनका इलाज चल रहा है। स्थानीय मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने ये जानकारी साझा की है। पूर्व प्रधानमंत्री ने बताया कि हाल ही में उन्होंने प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन (पीएसए) टेस्ट करवाया था, जिसमें बीमारी के प्रकार से जुड़े प्रोटीन की जांच की जाती है। इस रिपोर्ट में उन्हें प्रोस्टेट कैंसर के बारे में जानकारी मिली, बाद में उनकी बायोप्सी हुई।

4.0 तीव्रता का हल्का भूकंप, कोई हताहत नहीं

काठमांडू। नेपाल के गंडकी प्रांत के कास्की जिले में रविवार शाम 4.0 तीव्रता का हल्का भूकंप महसूस किया गया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र अन्नपूर्णा-2 पर्वत क्षेत्र के पास था। शाम 5:17 बजे आए इस झटके को आसपास के बालुंग, लामजुंग और स्यांगजा जिलों में भी महसूस किया गया। राहत की बात यह है कि किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। उथले भूकंप, गहरे भूकंपों की तुलना में अधिक खतरनाक होते हैं।

वार्ता का मुख्य उद्देश्य सीमा शुल्क की प्रक्रियाओं को आसान बनाना

भारत-इजराइल के बीच एफटीए वार्ता फिर शुरू हुई, जीटीआरआई ने कहा- व्यापार नहीं, दोनों देशों के रणनीतिक साझेदारी है मुख्य लाभ

जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार भारत-इजराइल के बीच चल रहे एफटीए वार्ता का मुख्य फोकस रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करना होगा। दोनों देशों के बाजार छोटे हैं और उनकी मांग भी सीमित है। इसलिए अगर एफटीए पूरा हो भी जाता है, तो सामानों के व्यापार में बहुत बड़ी बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत-इजराइल के बीच चल रहे एफटीए वार्ता का सबसे बड़ा फायदा माल-व्यापार को नहीं, बल्कि दोनों देशों के रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करने में होगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपने रिपोर्ट में यह दावा किया है।

- माल और सेवाओं के व्यापार में बाजार पहुंच
- शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को हटाना
- निवेश प्रक्रिया में सुगमता

फाइल फोटो

दोनों देशों के बाजार में है सीमित मांग

जीटीआरआई के मुताबिक, दोनों देशों के बाजार छोटे हैं और उनकी मांग भी सीमित है। इसलिए अगर एफटीए पूरा हो भी जाता है, तो सामानों के व्यापार में बहुत बड़ी बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है। संस्था ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि दोनों देशों के लिए यह समझौता असल में रणनीतिक सहयोग बढ़ाने का मौका है। एफटीए के बाद भी सामानों के व्यापार में तेज बढ़ोतरी होना मुश्किल है। इजराइल, एक उच्च आय और प्रौद्योगिकी-संचालित अर्थव्यवस्था है। इसकी जनसंख्या 10 मिलियन से भी कम है। यह देश भारत के कपड़ा, ऑटोमोबाइल और सामान्य इंजीनियरिंग वस्तुओं जैसे बड़े पैमाने पर निर्यात के लिए सीमित संभावनाएं प्रदान करता है। जीटीआरआई का कहना है कि कृषि, जेनेरिक दवाइयां, इस्पात और रसायन जैसे क्षेत्रों में भारत प्रतिस्पर्धी है, लेकिन इसजराइल या तो आत्मनिर्भर है, सख्त गुणवत्ता और पादप स्वच्छता मानकों का पालन करता है।

भारत-इजराइल के आर्थिक संबंधों को गहरे करने के नए प्रयास

भारत ने इजराइल के साथ आर्थिक संबंधों को गहरा करने के लिए एक नए प्रयास की शुरुआत की है। इसके तहत उसने लंबे समय से लंबित मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता को पुनर्जीवित किया है। यह वार्ता पहली बार शुरू होने के एक दशक से भी अधिक समय बाद हुई है। नई दिल्ली और यरुशलम ने 2010 में एफटीए पर चर्चा शुरू की, 2012-13 तक कई दौर की बातचीत की, और फिर 2014 के बाद संवेदनशील उत्पादों के लिए टैरिफ, मानकों और बाजार पहुंच पर मतभेदों के बीच इस प्रक्रिया को स्थगित कर दिया। 2024-25 में कई उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान के बाद, दोनों सरकारों ने अब बातचीत फिर से शुरू करने के लिए नए संदर्भ-बिंदुओं को अंतिम रूप दिया है।

आईएनएस माहे भारतीय नौसेना की नई ताकत और देश की बढ़ती स्वदेशी क्षमता का प्रतीक

भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ आईएनएस माहे जनरल उपेंद्र द्विवेदी बोले- 'बिल्डर्स नेवी' बन चुका है भारत

माहे को बेहतरीन गुणवत्ता में तैयार करने के लिए बधाई दी

उपेंद्र द्विवेदी की मौजूदगी में जहाज नौसेना में शामिल किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'साइलेंट हंटर' यानी एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शेलो वॉटर क्राफ्ट 'माहे' को सोमवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। नौसेना का यह एंटी-सबमरीन जहाज गोपनीय मिशन, सतर्कता और अटूट संकल्प का प्रतीक है। नौसेना के मुताबिक 'माहे' को तटीय इलाकों में उच्च जोखिम वाले मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी क्षमताएं इसे एक शक्तिशाली व उथले पानी का बेहतरीन योद्धा बनाती हैं। यह जहाज पनडुब्बी रोधी जैसे बड़े व खतरनाक अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है।

रक्षा मंत्रालय से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय नौसेना के इस जहाज में इस्तेमाल की गई 80 प्रतिशत से अधिक सामग्री स्वदेशी है। माहे को अत्याधुनिक व उन्नत सेंसर्स से लैस किया गया है। इसके साथ ही इसमें हथियार और आधुनिक इंटीग्रेशन सिस्टम मौजूद हैं।

थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की मौजूदगी में यह जहाज नौसेना में शामिल किया गया। इस अवसर पर वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन समेत अन्य अधिकारी, कर्मचारी, वेटरन्स और अन्य अतिथि मौजूद रहे। भारतीय नौसेना के मुताबिक 'माहे' नाम मालाबार तट स्थित ऐतिहासिक नगर 'माहे' पर रखा गया है। माहे को सांस्कृतिक समृद्धि और समुद्री इतिहास के लिए जाना जाता है। भारतीय नौसेना का यह पहला माहे क्लास, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शेलो वॉटर क्राफ्ट आज आधिकारिक रूप से नौसेना में शामिल किया गया।

माहे का निर्माण भारत में ही कोचीन शिपयार्ड द्वारा किया गया

मुंबई। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी कमीशनिंग समारोह के दौरान।

यह स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता का प्रतीक है। माहे का निर्माण भारत में ही कोचीन शिपयार्ड द्वारा किया गया है। यही कारण है कि 'माहे' ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का सशक्त उदाहरण भी पेश किया है। इस श्रेणी के कुल 8 एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शेलो वॉटर क्राफ्ट जहाज नौसेना में शामिल किए जाएंगे। माहे इनमें पहला है। नौसेना के 'माहे' को तटीय इलाकों में उच्च जोखिम वाले मिशनों के लिए विशेष तौर पर डिजाइन किया गया है। इसकी क्षमताएं इसे एक शक्तिशाली उथले जल का योद्धा बनाती हैं। इसकी मुख्य परिचालन भूमिकाओं की बात करें तो यह एंटी-सबमरीन वॉरफेयर में उथले समुद्र में दुश्मन पनडुब्बियों की खोज और उन्हें नष्ट करेगा। कोस्टल पेट्रोलिंग व तटीय सुरक्षा और निगरानी में तैनात किया जाएगा।

आधुनिक युद्धों में 'जॉइंटनेस' और 'इंटीग्रेशन' की बड़ी भूमिका

मुंबई। भारतीय नौसेना के नए पोत आईएनएस माहे के औपचारिक कमीशनिंग के मौके पर भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आधुनिक युद्ध अब मल्टी-डोमेन और हाइब्रिड हो चुके हैं। ऐसे में भारतीय सेना ने भी 'दशक परिवर्तन' के तहत कई बड़े कदम उठाए हैं, जिनमें संयुक्तता और एकीकरण मुख्य आधार हैं आईएनएस माहे भारतीय नौसेना का पहला ' है। इसे सोमवार को मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय नौसेना में शामिल किया। यह पोत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा बनाया गया है और भारत की आत्मनिर्भरता का एक मजबूत प्रतीक माना जा रहा है।

तीनों सेनाओं की शक्ति ही देश की सुरक्षा को मजबूत बनाती है:द्विवेदी

उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं-थलसेना, नौसेना और वायुसेना की संयुक्त शक्ति ही देश की सुरक्षा को मजबूत बनाती है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए बताया कि समुद्र से लेकर पहाड़ों तक सभी क्षेत्रों में सेनाओं की संयुक्त कार्रवाई ही भारत की रणनीतिक ताकत है।

नागरिकता कानून को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम

नागरिकता कानून पर कनाडा का बड़ा फैसला भारतीय मूल के परिवारों को होगा लाभ

फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ टोरंटो

कनाडा सरकार ने नागरिकता कानून को लेकर बड़े कदम उठा रही है। सरकार की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नए कानून के लागू होते ही, उन सभी लोगों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की जाएगी, जो विधेयक के प्रभाव में आने से पहले पैदा हुए हैं।

बता दे कि कनाडा ने वंश-आधारित नागरिकता कानून को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। संसद में पेश बिल सी-3 को अब रॉयल असेंट मिल गया है, जिसके बाद यह कानून लागू होने के एक कदम और करीब पहुंच गया है। इस कदम से का असर भारतीय मूल के हजारों परिवारों पर पड़ने की संभावना है।

कनाडा सरकार ने जारी की प्रेस विज्ञप्ति

कनाडा सरकार की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नागरिकता अधिनियम (2025) में संशोधन करने वाले विधेयक सी-3 को शाही स्वीकृति मिल गई है। इसमें कहा गया कि यह नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने और कनाडाई नागरिकता के मूल्य को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

नया कानून के लागू होते ही नागरिकता प्रदान की जाएगी

समाचार विज्ञप्ति में कहा गया है, नए कानून के लागू होते ही, उन सभी लोगों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की जाएगी, जो विधेयक के प्रभाव में आने से पहले पैदा हुए हैं और जो प्रथम-पीढ़ी की सीमा या पिछले कानूनों के पुराने प्रावधानों के कारण नागरिक नहीं बन पाए थे।

क्या है नया कानून?

विज्ञप्ति में कहा गया है कि नया कानून विदेश में जन्मे या गोद लिए गए कनाडाई माता-पिता को इस विधेयक के लागू होने की तिथि या उसके बाद कनाडा के बाहर जन्मे या गोद लिए गए अपने बच्चे को नागरिकता देने की अनुमति देगा, बशर्ते कि उनका कनाडा से पर्याप्त संबंध हो।

व्यापार मंत्री नूरुद्दीन अजीजी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले

भारत के शुक्रगुजार हैं... तालिबानी मंत्री ने की तारीफ, बोले- रिश्ते मजबूत करेंगे

पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका

एजेंसी ▶▶ काबुल

अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात के इंडस्ट्री और कॉमर्स मिनिस्टर नूरुद्दीन अजीजी ने भारत का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने यह बात अपने भारत दौरे को आसान बनाने, अफगानिस्तान के विकास में सहयोग करने और आपसी व्यापार को बढ़ाने पर सहमति के लिए कही है। दरअसल, तालिबान सरकार में इंडस्ट्री और व्यापार मंत्री नूरुद्दीन अजीजी भारत के दौरे पर हैं। उन्होंने अपने दौरे के अंतिम दिन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और भारत की यात्रा को सफल बताया।

जयशंकर और नूरुद्दीन अजीजी

यात्रा का मकसद द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करना

प्रेस कॉन्फ्रेंस में नूरुद्दीन अजीजी ने कहा कि उनकी यात्रा का मकसद द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करना और ट्रेड, इन्वेस्टमेंट और दूसरे सेक्टर्स में पुराने रिश्तों को फिर से जिंदा करना है।

पाकिस्तान कभी तालिबान को अपना दोस्त और भारत के दुश्मन के तौर पर देखता था। जब अगस्त 2021 में तलिबान ने काबुल पर कब्जा किया, तब भी पाकिस्तान ने इसे अपनी जीत के तौर पर देखा। पाकिस्तानी सेना, राजनेता और सामरिक विशेषज्ञों ने इस पर खुशी जताई। लेकिन, बीतते समय के साथ पाकिस्तान और तालिबान के संबंध खराब होते चले गए। वहीं, इसके ठीक उलट भारत के साथ तालिबान के संबंध मजबूत हुए। आज तालिबान लगातार भारत के साथ संपर्क बढ़ा रहा है। वहीं, तालिबान की पाकिस्तान के साथ सीमा पर सैन्य झड़पें हो रही हैं।

सभी अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

जम्मू-कश्मीर में फूड प्वॉइजनिंग से एक ही परिवार के 12 लोगों की बिगड़ी तबीयत

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा के नौगाम इलाके के एक परिवार के 12 सदस्यों को रात में बेहोश होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार गुलाम मोम्मद भट नामक एक व्यक्ति के परिवारवालों (परिवार में भट सहित 12 सदस्य हैं) की रात का खाना खाने के बाद फौरन तबीयत बिगड़ गई।

बताया जाता है कि उन्होंने रात के खाने के लिए जंगल से लाई एक सब्जी पकाई थी जिसे खाने के तुरंत बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने किसी तरह अपने पड़ोसियों को सूचित किया। पड़ोसियों ने उनके अन्य परिजनों को जानकारी दी और

अस्पताल में भर्ती परिवार के सदस्य

साथ ही उन्हें फौरन एनटीपीएचसी पहुंचाया गया।

जहां उनकी प्राथमित स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें उन्नत उपचार के लिए जीएमसी हंदवाड़ा शिफ्ट किया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। इधर चिकत्सा अधिकारियों का कहना है कि इसकी वजह फूड पाइजनिंग है। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि सभी 12 सदस्यों की हालत स्थिर है और उन्हें आवश्यक उपचार मिल रहा है।

गुरु तेग बहादुर की शहादत की 350वीं वर्षगांठ मनाई

अमृतसर। सोमवार को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में 9वें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर की शहादत की 350वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नगर कीर्तन जुलूस में भाग लेते हुए।

डोज का काम और ज़िम्मेदारियां, कार्मिक प्रबंधन को सौंपी

बंद हुआ सरकारी खर्चों को घटाने वाला ट्रंप का डोज विभाग

अमेरिका में एलन मस्क की लीडरशिप में बनाए गए डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी को बंद कर दिया गया

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने पर एलन मस्क की लीडरशिप में एक नए विभाग का गठन किया था। इसका नाम डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी रखा गया था। शुरुआत में विवेक रामास्वामी को भी इस डिपार्टमेंट में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में उन्होंने इसे छोड़ दिया था। कुछ समय पहले मस्क ने भी इस विभाग को छोड़ दिया था। अब इस डिपार्टमेंट पर बड़ा अपडेट सामने आया है।

खास बातें

- मस्क की लीडरशिप में हुआ विभाग का गठन
- 10 माह बाद बंद हुआ डोज विभाग
- कुछ समय पहले मस्क ने विभाग को छोड़ा था

ट्रंप-मस्क के संबंधों में दरार बनी वजह?

एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप।

डोज को किस वजह से बंद किया गया, इसका खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि इसके बंद होने की वजह ट्रंप और मस्क के संबंधों में आई दरार को माना जा रहा है। इसी वजह से मस्क ने डोज को छोड़ दिया था और इसका कामकाज भी प्रभावित हुआ था। ट्रंप ने भी इस विभाग पर ध्यान देना बंद कर दिया था और अब इसका अंत हो गया है। हालांकि पिछले कुछ समय में ट्रंप और मस्क के संबंधों में सुधार देखने को मिला है।

ट्रंप ने तय समय से पहले ही बंद किया डोज

ट्रंप ने तय समय से पहले ही डोज को चुपचाप बंद कर दिया है। डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का गठन जुलाई 2026 तक के लिए किया गया था, लेकिन एक साल से भी कम समय में इसे बंद कर दिया गया। अमेरिका के कार्मिक प्रबंधन कार्यालय के निदेशक स्कॉट कुपोर ने इसकी पुष्टि की है। डोज का काम और ज़िम्मेदारियाँ, कार्मिक प्रबंधन कार्यालय को सौंप दी गई हैं।

क्या था डोज का लक्ष्य?

डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का लक्ष्य सरकारी नौकरशाही को खत्म करना, अतिरिक्त नियमों को कम करना, फिजूल खर्चों में कटौती करना और संघीय एजेंसियों के पुनर्गठन में मदद करना तय किया गया था। मस्क के साथ ही ट्रंप ने भी इन सुधारों को बेहद जरूरी बताया था।

शिखर सम्मेलन में भारत आने का निमत्रंण स्वीकार किया

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले साल भारत यात्रा पर आएंगे

एजेंसी ▶▶ जोहानिसबर्ग

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले साल भारत की यात्रा करेंगे। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्नी को भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री कार्नी ने 2026 की शुरुआत में भारत आने के प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को

कनाडा पीएम मार्क कार्नी एवं मोदी

आगे बढ़ाने के अलावा रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में गहन सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर सहमति व्यक्त की। बयान में कहा गया, दोनों नेताओं ने वस्तुओं, सेवाओं, निवेश, कृषि, डिजिटल व्यापार और सतत विकास को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने पर सहमति व्यक्त की।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,